About the Book

आगे बढ़ने से पहले अपनी परीक्षा की तैयारी को और मजबूत करने के लिए हमारी नवीनतम प्रैक्टिस बुक के साथ तैयार हो जाओ, जो Agrawal Examcart के विशेषज्ञों द्वारा मेहनत से तैयार की गई है। यहाँ जानिए इसे लेने के मुख्य कारण :

- हमने पिछले वर्षों के पेपर्स, परीक्षा का पाठ्यक्रम और पैटर्न का पूरा आकलन किया है। विगत वर्षों के पेपर्स को ध्यान से विश्लेषित किया गया है और समझने का प्रयास किया गया है कि परीक्षा सेटर के दृष्टिकोण से कौन-कौन से अध्याय महत्वपूर्ण हैं, हर अध्याय पर कितने प्रश्न पूछे जाते हैं और इन प्रश्नों का कठिनाई स्तर भी तय किया जाता है।

- इस विस्तृत विश्लेषण के आधार पर, हमारी टीम ने एक प्रैक्टिस बुक तैयार की है जो अद्भुत और सटीक प्रैक्टिस सेट्स को संयोजित करती है। हमारा मानना है कि इस पुस्तक में दिया गया प्रत्येक प्रैक्टिस सेट आगामी परीक्षा पेपर से काफी मिलता जुलता होगा। हर पेपर को हल करने पर मिलने वाला परिणाम आपको आपके आगामी परीक्षा स्कोर का सही ढंग से पूर्वानुमान करने में मदद करेगा और साथ ही आपकी परीक्षा तैयारी का 80% की सटीकता के साथ आकलन करने में सक्षम होगा।

अपनी परीक्षा सफलता को किस्मत पर न छोड़ें। इस प्रैक्टिस बुक की कॉपी आज ही प्राप्त करें और अपनी तैयारी को अगले स्तर पर ले जाएँ।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

CB1880

TGT प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा (वाणिज्य) प्रैक्टिस सेट्स एवं सॉल्व्ड पेपर्स
ISBN - 978-93-6054-783-7
₹ 279

TGT प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा (वाणिज्य) प्रैक्टिस सेट्स एवं सॉल्व्ड पेपर्स

CB1880

AGRAWAL EXAMCART

TOP SELLING TGT PRACTICE SETS

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा आयोजित

TGT

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा

Most Updated Book!
UP TGT के सभी नवीनतम पेपर्स इस पुस्तक में शामिल हैं।

वाणिज्य

15 प्रैक्टिस सेट्स एवं 05 सॉल्व्ड पेपर्स

(2021, 2019, 2018, 2016, 2015)

LT.Grade

Code	Price	Pages	ISBN
CB1880	₹279	287	978-93-6054-783-7

विषय सूची

➔ परीक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचना v

➔ प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भर्ती परीक्षा पाठ्यक्रम vi

सॉल्व्ड पेपर्स

☆ उ. प्र. लोक सेवा आयोग, एल.टी. ग्रेड, 2018 वाणिज्य हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 29-07-2018) 1-9

☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2021 वाणिज्य हल प्रश्न-पत्र 1-14

☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2016 वाणिज्य हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 9 मार्च, 2019) 15-32

☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2013 वाणिज्य हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 22 फरवरी, 2015) 33-49

☆ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2011 वाणिज्य हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 15 जून, 2016) 50-65

प्रैक्टिस सेट्स 1-207

➢ प्रैक्टिस सेट–1 1-14

➢ प्रैक्टिस सेट–2 15-28

➢ प्रैक्टिस सेट–3 29-42

➢ प्रैक्टिस सेट–4 43-57

➢ प्रैक्टिस सेट–5 58-71

➢ प्रैक्टिस सेट–6 72-85

➢ प्रैक्टिस सेट–7 86-99

➢ प्रैक्टिस सेट–8 100-113

➢ प्रैक्टिस सेट–9 114-126

➢ प्रैक्टिस सेट–10 127-139

➢ प्रैक्टिस सेट–11 140-153

➢ प्रैक्टिस सेट–12 154-167

➢ प्रैक्टिस सेट–13 168-179

➢ प्रैक्टिस सेट–14 180-192

➢ प्रैक्टिस सेट–15 193-207

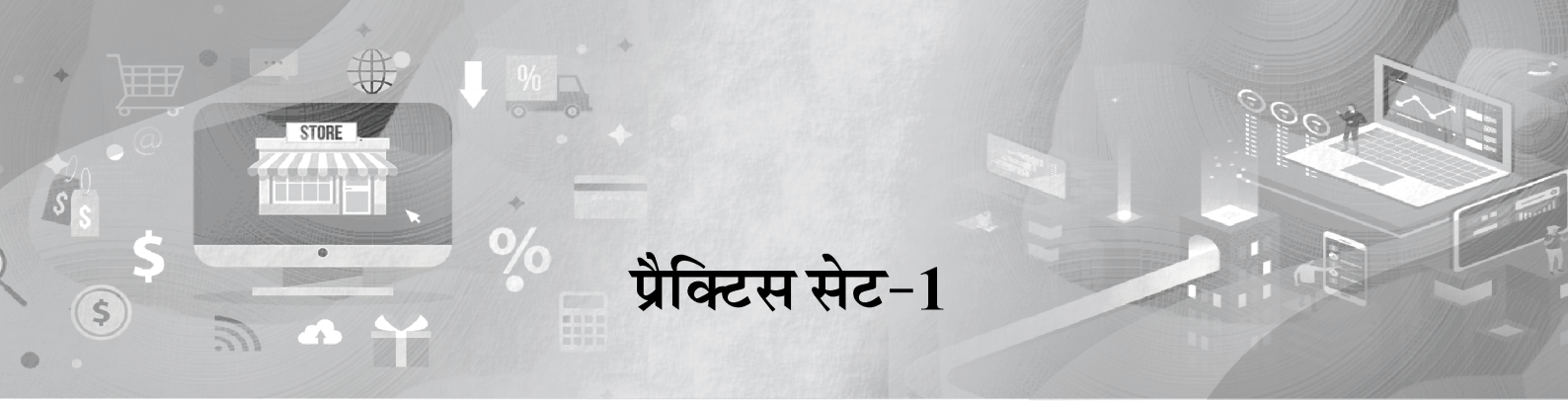

प्रैक्टिस सेट-1

1. एक फर्म में X और Y समान साझेदार हैं। 1.1.2004 को उन्होंने Z को इस शर्त पर प्रवेश दिया कि वह पूँजी के रूप में ₹ 10,000 तथा ख्याति के रूप में ₹ 5,000 लायेगा। भविष्य में उनका लाभ-हानि विभाजन अनुपात 2 : 1 : 2 होगा। X और Y के बीच ख्याति का विभाजन किस अनुपात में होगा?

(A) 1 : 1 (B) 3 : 1
(C) 1 : 3 (D) 2 : 1

2. यदि संचालनों से कोष ₹ 42,000 हो तथा प्लांट व मशीनरी पर ह्रास ₹ 5,000 हो तो शुद्ध लाभ की राशि होगी–

(A) ₹ 37,000
(B) ₹ 42,000
(C) ₹ 47,000
(D) जिसकी गणना नहीं की जा सकती

3. एक अवयस्क है–

(A) फर्म में साझेदार बन सकता है।
(B) फर्म की हानियों को बाँटने हेतु व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी बनाया जा सकता है।
(C) फर्म का साझेदार बनाया जा सकता है जब बहुसंख्या में साझेदार सहमत हों।
(D) फर्म के लाभों में हिस्सा लेने के लिए सभी साझेदारों की सहमति से साझेदारी में प्रविष्टि पा सकता है।

4. चालू परिसम्पत्ति तथा चालू दायित्व की स्थिति निम्न प्रकार है–

	31 दिसम्बर, 1994	31 दिसम्बर, 1995
	₹	₹
देनदार	30,000	24,000
लेनदार	20,000	30,000
स्टॉक	16,000	20,000
पूर्वदत्त व्यय	8,000	12,000

निम्नलिखि मदों को ध्यान में रखने के बाद वर्ष में ₹ 5,00,000 का लाभ हुआ–

संयंत्र का अवक्षयण	₹ 20,000
प्रारंभिक व्यय अपलिखित	₹ 10,000
सामान्य संचिति में हस्तांतरण	₹ 14,000
भूमि की बिक्री से लाभ	₹ 6,000

परिचालन से प्राप्त रकम है–

(A) ₹ 5,44,000 (B) ₹ 5,38,000
(C) ₹ 5,46,000 (D) ₹ 5,54,000

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिये–

सूची-I	सूची-II
(a) प्रारंम्भिक व्यय	1. आयगत व्यय
(b) व्यावसायिक ऋणपत्र पर ब्याज	2. आयगत प्राप्ति
(c) जीवनभर का चन्दा	3. अस्थगित आयगत व्यय
(d) बैंक जमाओं पर ब्याज	4. पूँजीगत प्राप्ति

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	1	2	3
(B)	3	1	4	2
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

6. प्रबन्ध अंकेक्षण से आशय है–

(A) प्रबन्ध की ओर से अंकेक्षण
(B) प्रबन्धन के उद्देश्यों एवं कार्यों की विधिवत जाँच एवं समीक्षा
(C) प्रबन्ध लेखांकन का अंकेक्षण
(D) उक्त सभी

7. यदि दो संख्याओं का गुणोत्तर माध्य 15 और हरात्मक माध्य 9 है तो उनका समान्तर माध्य होगा–

(A) 10 (B) 25
(C) 20 (D) 30

8. एक साझेदार, जो साझेदारी व्यवसाय के संचालन में सक्रिय रूप से भाग नहीं लेता, कहलाता है–

(A) शांत साझेदार
(B) सुषुप्त साझेदार
(C) सह-साझेदार
(D) नाममात्र का साझेदार

9. नत्थीकरण का रूप है–

(A) अभिलेख पालन का
(B) कार्यालयीन साज-सज्जा का
(C) कार्यालय प्रबंधन हेतु आधुनिक सहायता का
(D) उपर्युक्त सभी का

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कथन (A) : यदि कोई अंशधारी अपने अंशों पर एक या अधिक माँगों को चुकाने में असफल रहता है तो कम्पनी उसके उचित नोटिस देने के बाद उसके अंशों को जब्त कर सकती है।

तर्क (R) : अंशों की जब्ती के बाद भी वह अंशधारी जिसके अंश जब्त कर लिए गये हैं उन अंशों पर उसके द्वारा देय राशि को चुकाने के लिए उत्तरदायी होता है जब तक कि कम्पनी उन अंशों की पूरी रकम न प्राप्त कर ले।

अब अपने उत्तर का चुनाव निम्नलिखित संकेत-योजना में से कीजिए–

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।
(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

11. अन्तिम खाते तथा विवरण पत्रों से तात्पर्य है–

(A) चिट्ठा (B) लाभ-हानि खाता
(C) व्यापार खाता (D) ये सभी

12. आनुषंगिक हानि बीमा में निम्नांकित में से कौन-सी हानि की क्षतिपूर्ति की जायेगी?

(A) निगम छवि की हानि
(B) अग्नि के कारण शुद्ध लाभ की हानि
(C) अग्नि लगने के दौरान चोरी से हानि
(D) अग्नि के स्थान के आस-पास होने वाले नुकसान से हानि

13. यदि प्रारंभिक रहतिया ₹ 50,000 अन्तिम रहतिया ₹ 60,000 एवं बेचे गये माल की लागत ₹ 2,20,000 है, तो रहतिया आवर्त अनुपात होगा–

(A) दो गुना (B) तीन गुना
(C) चार गुना (D) एक गुना

14. लाभों के पुनर्वियोजन का आशय है–

(A) लाभांश घोषित किया गया, किन्तु अंशधारियों द्वारा लिया नहीं गया
(B) किसी वर्ष में लाभाश की घोषणा न करना
(C) गैर-कानूनी स्रोतों से अर्जित लाभ को व्यवसाय में लगाना
(D) भावी विस्तार योजना के लिए अर्जित लाभ को रोके रखना

15. लेखांकन मानक-6, जो ह्रास से सम्बन्धित है, का प्रयोग संस्तुत किया गया है निम्न के लिये–
(A) किसी मान्य स्टॉक एक्सचेन्ज में सूचीबद्ध कम्पनियों के लिये
(B) निर्माण व्यवसाय में लगी हुई कम्पनियों के लिये
(C) निर्माणी तथा व्यापारिक व्यवसायों में लगी हुई कम्पनियों के लिये
(D) सभी प्रकार के व्यावसायिक उपक्रमों के लिये

16. निम्नलिखित में चालू दायित्व है–
(A) अदत्त मजदूरी
(B) मशीन पूर्वाधिकारी अंश
(C) मशीन पर ह्रास का प्रावधान
(D) अंश लाभ

17. शेयर वारन्ट धारक को निर्गमित किए जा सकते हैं–
(A) निजी कम्पनी में पूर्ण प्रदत्त अंशों के बदले में
(B) सार्वजनिक कम्पनी में पूर्ण प्रदत्त अंशों के बदले में
(C) निजी या सार्वजनिक कम्पनी के किसी अंश के बदले में
(D) सार्वजनिक कम्पनी के ऋण-पत्रों के बदले में

18. ख्याति को दिखाया जाता है–
(A) चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(B) चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(C) लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में
(D) व्यापारिक खाते के डेबिट पक्ष में

19. प्रारम्भिक व्ययों को दिखाया जाता है–
(A) चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(B) चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(C) लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में
(D) व्यापारिक खाते के डेबिट पक्ष में

20. यदि विक्रय किये माल की लागत ₹ 1,00,000 है, प्रारम्भिक रहतिया ₹ 20,000 है और अन्तिम रहतिया ₹ 80,000 है। तो (स्टॉक-टर्नोवर) रहतिया विक्रय अनुपात होगा–
(A) 5 गुना (B) 4 गुना
(C) 2 गुना (D) 3 गुना

21. निम्न में से किसकी गणना ग्राफ की सहायता से नहीं की जा सकती है?
(A) माध्य (B) माध्यिका
(C) बहुलक (D) चतुर्थक

22. X लि. ने भूमि एवं भवन ₹ 28,80,000 में खरीदे तथा इसके बदले में ₹ 100 मूल्य के ऋणपत्र 4% छूट पर निर्गमित किए। निर्गमित ऋणपत्रों की संख्या होगी–
(A) 28800 (B) 30000
(C) 32000 (D) 32200

23. शुद्ध कार्यशील पूँजी बराबर होती है–
(A) समस्त सम्पत्तियों के मूल्य के
(B) समस्त चालू सम्पत्तियों के मूल्य के
(C) स्वामित्वों + लेनदारों की पूँजी के
(D) चालू सम्पत्तियों एवं चालू दायित्वों के अंतर के

24. कम्पनी अधिनियम 1956 के अनुसार प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की अधिकतम सीमा है–
(A) शुद्ध लाभ का 10%
(B) शुद्ध लाभ का 5%
(C) शुद्ध लाभ का 3%
(D) शुद्ध लाभ का 11%

25. पूर्वाधिकार अंशों का विमोचन किया जा सकता है–
(A) लाभांश हेतु उपलब्ध लाभों में से
(B) नये अंशों के निर्गमन से प्राप्त राशि से
(C) उपर्युक्त (A) तथा (B) दोनों से
(D) पूँजीगत लाभ से बाहर

26. एक कम्पनी की दशा में निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है ?
(A) आन्तरिक अंकेक्षण – बाध्यकार
(B) वैधानिक अंकेक्षण – अनिवार्य
(C) चालू अंकेक्षण – वैकल्पिक
(D) प्रबन्ध अंकेक्षण – ऐच्छिक

27. यदि ₹ 8,00,000 के पूर्णदत्त अंशों को निर्गमित करके ₹ 7,20,000 की एक मशीनरी क्रय की जाती है, तो शेष ₹ 80,000 डेबिट होंगे–
(A) ख्याति खाता को
(B) पूँजी संचय खाता को
(C) लाभ-हानि को
(D) अंशों के निर्गमन पर छूट खाते को

28. साझेदारी फर्मों का एकीकरण होने पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन से होने वाला लाभ–
(A) साझेदारों के पूँजी खाते में डेबिट किया जाता है
(B) साझेदारों के पूँजी खाते में क्रेडिट किया जाता है
(C) नयी फर्म के लाभ-हानि खाते में क्रेडिट किया जाता है
(D) इनमें से कोई नहीं

29. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
कथन (A) : विदेशी व्यापार का तात्पर्य किसी देश के आर्थिक आधार को सुदृढ़ बनाना है।
तर्क (R) : विदेशी व्यापार मूलत: भुगतान संतुलन को अपने पक्ष में करने के लिए किया जाता है तथा उन वस्तुओं को उपलब्ध करने के लिए भी जो देश के अन्दर नहीं मिलती हैं।
अब नीचे दी गई संकेत-योजना के अनुसार अपना उत्तर चुनिए–
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(C) A सही है, किन्तु R गलत है।
(D) A गलत है, किन्तु R सही है।

30. एक व्यावसायिक इकाई में 'निर्णय वृक्ष'–
(A) संगठनात्मक प्रभावशीलता बढ़ाता है।
(B) कर्मचारियों का कार्यभार कम करता है।
(C) प्रबन्ध में श्रमिकों की सहभागिता बढ़ाता है।
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

31. ''अधिकार से परे'' सिद्धान्त उन कार्यों को सन्निहित करता है जो –
(A) केवल संचालकों की शक्ति से परे होते हैं
(B) केवल पार्षद् सीमानियम में उल्लिखित उद्देश्यों से परे होते हैं
(C) केवल कम्पनी के प्रमुख कार्याधिकारी की शक्ति से परे होते हैं
(D) केवल ऋणपत्र धारकों तथा लेनदारों की शक्ति के बाहर हो

32.

स्थायी परिसम्पत्तियाँ	₹ 14,40,000
निबल स्वत्व	₹ 15,00,000
ऋण (दीर्घकालीन)	₹ 9,00,000
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ	₹ 7,60,000
चालू दायित्व	₹ 6,00,000

चालू अनुपात है–
(A) 2.4 : 1 (B) 2.6 : 1
(C) 3.2 : 1 (D) 3.5 : 1

33. निम्न कथनों में से कौन-से कथन गलत हैं ?
(i) माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत प्रत्यक्ष रूप से उत्पत्ति ह्रास नियम पर निर्भर नहीं करता
(ii) अनुकूलतम जनसंख्या के सिद्धांत ने जनसंख्या की तुलना खाद्यान्नों से की
(iii) अनुकूलतम जनसंख्या का बिन्दु स्थित होता है।
निम्नलिखित कूट से अपना उत्तर चुनिये–
कूट :
(A) (i) (B) (ii) एवं (iii)
(C) (i) एवं (ii) दोनों (D) ये सभी

34. कच्चे माल का मूल्यांकन किया जाएगा–
(A) बाजार मूल्य पर

(B) प्राप्य मूल्य पर
(C) लागत पर
(D) लागत और बाजार मूल्य में जो कम हो, उस पर

35. लेखांकन में लागू पद्धति के अनुसार, ह्रास–
(A) चिट्ठे में दर्शाने के उद्देश्य से सम्पत्ति के मूल्यांकन की एक प्रक्रिया है।
(B) केवल दीर्घ जीवन वालों अमूर्त सम्पत्तियों पर लागू होता है।
(C) दीर्घ जीवन वाली सम्पत्तियों के बाजार मूल्य में गिरावट को प्रदर्शन करने के लिये प्रयुक्त होता है।
(D) एक लेखांकन प्रक्रिया है जिसके द्वारा दीर्घ जीवन वाली सम्पत्तियों की लागत को विभिन्न लेखांकन समयावधियों में आवंटित किया जाता है।

36. भारत में एक रुपये का नोट किसके द्वारा जारी किया जाता है ?
(A) भारतीय रिजर्व बैंक
(B) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
(C) भारत सरकार का वित्त निगम
(D) इनमें से कोई नहीं

37. जब सभी ऋणपत्रों का विमोचन हो जाता है तो ऋणपत्र सिंकिंग फण्ड खाते का शेष हस्तान्तरित किया जाता है–
(A) ऋणपत्र खाते में
(B) सिंकिंग फण्ड विनियोजन खाते में
(C) पूँजी शोधन खाते में
(D) सामान्य संचय खाते में

38. सहसम्बन्ध गुणांक में धनात्मक चिन्ह तब होगा जब–
(A) X के मान बढ़ रहे हों और Y के मान घट रहे हों
(B) X और Y दोनों के मान बढ़ रहे हों
(C) X के मान घट रहे हों और Y के मान बढ़ रहे हों
(D) X और Y के मानों में कोई परिवर्तन न हों

39. एक व्यक्ति, एक समय में अधिकतम कितनी कम्पनियों का संचालक हो सकता है?
(A) 10 कम्पनियों का (B) 20 कम्पनियों का
(C) 25 कम्पनियों का (D) 50 कम्पनियों का

40. माल के आयात के लिए दिया जाने वाला आदेश कहलाता है–
(A) इन्डेन्ट (B) आयात आदेश
(C) लदान विपत्र (D) साख पत्र

41. हर्जबर्ग के अभिप्रेरक आरोग्यशास्त्र सिद्धान्त के अनुसार आरोग्यशास्त्र कारक निम्न के लिए उत्तरदायी होते हैं–
(A) स्वास्थ्य में वृद्धि (B) बीमारी में कमी
(C) संतुष्टि में वृद्धि (D) असन्तुष्टि में कमी

42. यदि पूँजी 1 जनवरी ₹ 19,400, पूँजी 31 दिसम्बर ₹ 21,500, आहरण ₹ 4,300 लाभ-हानि ज्ञात कीजिए–
(A) ₹ 2200 लाभ (B) ₹ 2200 हानि
(C) ₹ 6400 लाभ (D) ₹ 6400 हानि

43. निम्न में से कौन-सी एक लेखांकन प्रथा नहीं है?
(A) एकरूपता (B) सम्पूर्ण प्रकटन
(C) महत्वपूर्णता (D) गोपनीयता

44. कम्पनी सचिव को निम्नलिखित को आहूत करने की क्षमता है–
(A) संचालक मण्डल की बैठक
(B) वार्षिक साधारण बैठक
(C) लेनदारों की बैठक
(D) असामान्य साधारण बैठक

45. अंश हरण खाते का शेष चिट्ठे के किस शीर्षक में दिखाया जाता है ?
(A) चालू दायित्व व प्रावधान के
(B) संचय एवं आधिक्य के
(C) अंश पूँजी के
(D) असुरक्षित ऋण के

46. यदि एक व्यक्ति ₹ 50,000 नकद, ₹ 50,000 के माल तथा ₹ 1,00,000 की स्थायी संपत्ति के साथ व्यवसाय प्रारंभ करता है, तो उसकी पूँजी होगी–
(A) ₹ 2,00,000 (B) ₹ 1,50,000
(C) ₹ 1,00,000 (D) ₹ 50,000

47. सचिव अंशधारियों को इसके बारे में नहीं बता सकता–
(A) कार्यक्षेत्र में परिवर्तन
(B) प्रशासनिक कार्यालय में परिवर्तन
(C) व्यवसाय नीति में परिवर्तन
(D) संगठनात्मक ढाँचे में परिवर्तन

48. सकल क्रय की राशि क्या होगी, जब–
प्रारम्भिक रहतिया = ₹ 10,000
अन्तिम रहतिया = ₹ 8,000
विक्रय = ₹ 1,10,000
बिक्रीत माल की लागत = ₹ 80,000
(A) ₹ 30,000 (B) ₹ 78,000
(C) ₹ 82,000 (D) ₹ 92,000

49. यदि कपास की गिनिंग, कताई तथा बुनाई मिलें संयोजन करें, तो यह होगा–
(A) क्षैतिज संयोजन (B) उदग्र संयोजन
(C) पार्श्वीय संयोजन (D) विकर्ण संयोजन

50. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है ?
(A) देय विपत्र खाता एक व्यक्तिगत खाता है।
(B) बैंक ऋण खाता एक नाममात्र खाता है।
(C) पूर्वदत्त वेतन खाता एक नाममात्र खाता है।
(D) उपार्जित ब्याज खाता एक व्यक्तिगत खाता है।

51. 'वैज्ञानिक प्रबंध' के जनक हैं–
(A) पीटर ड्रकर
(B) हेनरी फेयॉल
(C) एफ.डब्ल्यू. टेलर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

52. लेखांकन मानक-3 के अनुसार रोकड़ प्रवाह विवरण बनाना आदेशात्मक है–
(A) सभी उपक्रमों हेतु
(B) स्कन्ध विपणि पर सूचीयत कम्पनियों हेतु
(C) ₹ 50 करोड़ से अधिक की ब्रिकी वाले उपक्रमों हेतु
(D) (B) तथा (C) दोनों हेतु

53. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन गलत है ?
(A) एक कम्पनी द्वारा केवल पूर्णदत्त अधिमान अंशों का ही विमोचन किया जा सकता है।
(B) अधिमान अंशों के विमोचन पर देय प्रीमियम की व्यवस्था कम्पनी के अंश प्रीमियम खाते में से की जा सकती है।
(C) अंशतः दत्त बोनस अंशों का निर्गमन पूँजी विमोचन आरक्षित निधि में से नहीं किया जा सकता।
(D) विमोचन योग्य अधिमान अंशों का विमोचन केवल कम्पनी के लाभों में से ही किया जा सकता है।

54. बैलेन्स शीट किसी एक विशेष ..... की आर्थिक स्थिति को बताता है।
(A) तिथि (B) माह
(C) 6 माह (D) वर्ष

55. निम्न में से किस प्रकार के अंशों का लाभांश बकाया रह सकता है?
(A) साधारण अंश
(B) संचयी पूर्वाधिकार अंश
(C) असंचयी पूर्वाधिकार अंश
(D) शोध्य पूर्वाधिकार अंश

56. रजिस्ट्रार, संयुक्त स्कन्ध कम्पनी की विशेष अनुमति से एक कम्पनी के वित्तीय वर्ष को अधिक से अधिक बढ़ाया जा सकता है–
(A) 13 माह तक (B) 15 माह तक
(C) 18 माह तक (D) 20 माह तक

57. निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही है ?
(A) नियोजन अग्रदर्शी होता है।
(B) नियंत्रण अग्रदर्शी होता है।
(C) नियोजन तथा नियंत्रण दोनों अग्रदर्शी होते हैं।
(D) उपर्युक्त में से कोई भी अग्रदर्शी नहीं होता।

58. यदि एक फर्म अपने ग्राहक से प्राप्त अग्रिम राशि को अपनी आय मान लेती है, तो वह निम्न में से किस अवधारणा का उल्लंघन करती है ?
(A) मुद्रा मापन अवधारणा
(B) लागत अवधारणा
(C) वसूली अवधारणा
(D) पृथक अस्तित्व अवधारणा

59. विधि की निगाह में एक निजी कम्पनी को सार्वजनिक कम्पनी मान लिया जायेगा, यदि–
(A) इसके सदस्यों की संख्या सात से अधिक हो जाती है
(B) उसकी दत्त पूँजी ₹ 50 लाख से अधिक हो जाती है
(C) इसके संचालक निर्दिष्ट समयावधि में योग्यता अंश ग्रहण करने में असफल हो जाते हैं।
(D) उसकी दत्त पूँजी का 25% से अधिक भाग किसी एक निगमित संस्था द्वारा अधिग्रहण कर लिया जाता है।

60. साख पत्र लिखा जाता है–
(A) विदेश व्यापार की दशा में
(B) आन्तरिक व्यापार की दशा में
(C) नए अंश पूँजी निर्गमन की दशा में
(D) वित्तीय संस्थान से ऋण लेने की दिशा में

61. 'अग्रदाय पद्धति' शब्द का प्रयोग किस सन्दर्भ में होता है ?
(A) क्रय बही (B) विक्रय बही
(C) रोकड़ बही (D) खुदरा रोकड़ बही

62. FIFO और LIFO मूल्यांकन विधियाँ हैं–
(A) स्थाई सम्पत्ति
(B) विनियोगों की
(C) निर्गमित कच्चे सामग्री की
(D) इनमें से कोई नहीं

63. यदि अन्तिम रहतिया समायोजनाओं में दिया गया है तो इसे दिखाया जायेगा–
(A) व्यापार खाते में
(B) आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(C) उपर्युक्त दोनों में
(D) उपर्युक्त किसी में नहीं

64. आन्तरिक पुनर्निर्माण में–
(A) किसी भी कम्पनी का समापन नहीं होता
(B) केवल एक कम्पनी का समापन होता है
(C) एक या अधिक कम्पनियों का समापन होता है।
(D) दो या अधिक कम्पनियों का समापन होता है

65. सामान्य मूल्य वह मूल्य होता है जिसके दीर्घकाल में स्थापित होने की कोई संभावना नहीं रहती है। यह कथन है–
(A) सही (B) गलत
(C) अनिश्चित (D) इनमें से कोई नहीं

66. एक विवेकपूर्ण उत्पादक उस बिन्दु पर उत्पादन करना पसन्द करेगा जहाँ सीमान्त उत्पादन–
(A) बढ़ता हुआ तथा धनात्मक हो
(B) घटता हुआ तथा धनात्मक हो
(C) बढ़ता हुआ तथा ऋणात्मक हो
(D) घटता हुआ तथा ऋणात्मक हो

67. रिकार्डो के लगान सिद्धांत के अनुसार लगान (किराया) उत्पन्न होता है इसके कारण–
(A) भूमि की उर्वरता
(B) भूमि की कमी
(C) भूमि की विभेदी उर्वरता
(D) भूमि की पूर्ति स्थिरता

68. यदि लघु कार्य को अपलिखित करने की अवधि समाप्त हो गई हो, तो लघु कार्य को पट्टेदार द्वारा किस खाते में हस्तान्तरित किया जाता है?
(A) लाभ-हानि खाता
(B) भू-स्वामी खाता
(C) अधिकार शुल्क खाता
(D) न्यूनतम किराया खाता

69. वितरण के सिद्धान्त से तात्पर्य है–
(A) व्यक्तियों में वितरण
(B) उत्पत्ति के साधनों में वितरण
(C) समाज में वितरण
(D) इनमें से कोई नहीं

70. **निर्देश :** आगामी प्रश्न में दो वक्तव्य हैं । एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है। आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना है और निर्णय करना है कि क्या कथन (A) और कारण (R) पृथक्-पृथक् सही हैं और यदि ऐसा है तो कारण कथन का सही स्पष्टीकरण है। इन प्रश्नांशों को उत्तर पत्रक में अंकित कीजिए–
(A) A और R दोनों सही हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
(B) A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(C) A सही है परन्तु R गलत है।
(D) A गलत है परन्तु R सही है।

कथन (A) : शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सम्बन्धी पूर्व कथन लगभग असम्भव है।

कारण (R) : सट्टा क्रियाओं ने अंशों के मूल तत्वों को बिल्कुल नगण्य कर दिया है।

71. एक्स तथा वाई के अभिप्रेरण सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है–
(A) मैस्लो ने (B) आऊची ने
(C) हर्जबर्ग ने (D) मैक ग्रेगर ने

72. एक उपभोक्ता साम्यावस्था में होगा, जब उसके तीन पण्य और उसका उपभोग किया है, यदि
(A) $\frac{\text{X का मूल्य}}{\text{Y का मूल्य}} = \frac{\text{Y का मूल्य}}{\text{Z का मूल्य}} = \frac{\text{Z का मूल्य}}{\text{X का मूल्य}}$
(B) $\frac{\text{X का MU}}{\text{X का मूल्य}} = \frac{\text{Y का MU}}{\text{Y का मूल्य}} = \frac{\text{Z का मूल्य MU}}{\text{Z का मूल्य}}$
(C) X का मूल्य = Y का मूल्य = Z का मूल्य
(D) X का MU = Y का MU = Z का MU

73. जब कुल उपयोगिता अधिकतम होती है, तो सीमान्त उपयोगिता होती है–
(A) शून्य
(B) औसत उपयोगिता से कम
(C) औसत उपयोगिता के बराबर
(D) औसत उपयोगिता से अधिक

74. उत्पादन की अन्तिम इकाई के उत्पादन के कुल लागत में जो वृद्धि हुई होती है उसे क्या कहते हैं ?
(A) कुल लागत
(B) औसत लागत
(C) विभेदात्मक लागत
(D) सीमान्त लागत

75. एक सममित आवृत्ति वितरण में–
(A) $\bar{X} > M > Z$ (B) $\bar{X} = M = Z$
(C) $\bar{X} < M < Z$ (D) $\bar{X} \leq M \leq Z$

76. प्रबन्ध में निम्नलिखित सम्मिलित हैं–
(A) उत्पादन प्रबन्ध (B) वित्तीय प्रबन्ध
(C) क्रय प्रबन्ध (D) ये सभी

77. प्रबंधन के किस स्तर पर संकल्पनात्मक (Conceptual) कुशलता की आवश्यकता होती है ?
(A) सबसे ऊपरी स्तर (B) निचला स्तर
(C) मध्य स्तर (D) इन सभी स्तरों पर

78. निम्नलिखित तत्वों पर विचार कीजिए –
I. अंकेक्षण का क्षेत्र
II. नियुक्ति की वैधानिकता
III. व्यवसाय की जानकारी
IV. ग्राहक के निर्देश
V. अंकेक्षण लिपिकों में कार्य का विभाजन

एक नये अंकेक्षण को प्रारम्भ करने के लिए इन तत्वों का सही अनुक्रम होगा–

(A) II, I, III, IV और V

(B) I, II, III, IV और V

(C) V, I, IV, III और II

(D) IV, I, III, II और V

79. कम्पनी अंकेक्षक का निम्न में से किस बात के लिए सिविल दायित्व होता है ?

(A) जानबूझकर झूठा विवरण देना

(B) लापरवाही

(C) प्रविवरण में मिथ्या वर्णन

(D) उपर्युक्त सभी

80. जब माँग की मूल्य लोच इकाई है, सीमांत आय होगी–

(A) शून्य से कम (B) शून्य के बराबर

(C) एक के बराबर (D) एक से बड़ी

81. वस्तु X के लिए माँग की आय लोच शून्य से बड़ी पर एक से छोटी है। अत: वस्तु X है–

(A) एक आवश्यक वस्तु

(B) एक विलास वस्तु

(C) एक निम्न वस्तु

(D) एक गिफेन वस्तु

82. केन्द्रीय बैंक द्वारा बैंकों के वैधानिक तरलता अनुपात में कमी का प्रभाव क्या होगा ?

(A) सरकार पहले की अपेक्षा बैंकों से अधिक ऋण ले सकेगी

(B) सरकार पहले की अपेक्षा बैंकों को अधिक ऋण-पत्र बेच सकेगी

(C) निजी क्षेत्र बैंकों से पहले की अपेक्षा कम ऋण प्राप्त कर सकेंगे

(D) सरकार बैंकों को पहले की अपेक्षा कम प्रतिभूतियाँ बेच सकेंगे

83. क्रमानुसार प्राकृतिक अंकों का प्रमाप विचलन (σ) निम्नलिखित में से किस सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है?

(A) $\sigma = \sqrt{\frac{N^2 - 1}{8}}$

(B) $\sigma = \sqrt{N^2 - \frac{1}{12}}$

(C) $\sigma = \sqrt{\frac{N^2}{12} - 1}$

(D) $\sigma = \sqrt{\left(\frac{1}{12}\right)(N^2 - 1)}$

84. निम्न में से भिन्न विषय को पहचानिए–

(A) नैत्यक लिपिक

(B) निर्देशक कार्ड लिपिक

(C) अनुशासनाधिकारी

(D) निरीक्षण

85. लेखा परीक्षक के त्यागपत्र के कारण रिक्त स्थान की पूर्ति की जाती है–

(A) केवल वार्षिक सामान्य सभा में अंशधारियों द्वारा

(B) केवल संचालक मण्डल द्वारा

(C) केवल कम्पनी लॉ बोर्ड द्वारा

(D) केवल कम्पनी के प्रबन्ध संचालक द्वारा

86. आन्तरिक अंकेक्षक को हटाया जा सकता है–

(A) प्रबन्ध द्वारा

(B) अंशधारियों द्वारा

(C) सांविधानिक अंकेक्षण द्वारा

(D) सरकार द्वारा

87. भारत में विदेशी विनिमय प्रबन्धन अधिनियम लागू किया गया –

(A) 1 जुलाई, 2000 से

(B) 1 जून, 1999 से

(C) 1 जून, 2000 से

(D) 1 जुलाई, 1999 से

88. बैंकिंग व्यवसाय करने वाली साझेदारी फर्म में अधिक से अधिक कितने साझेदार हो सकते हैं?

(A) 9 साझेदार (B) 10 साझेदार

(C) 15 साझेदार (D) 20 साझेदार

89. सम-विच्छेद चार्ट में 'वाई' अक्ष दर्शाता है–

(A) विक्रय की मात्रा इकाइयों में

(B) विक्रय का मूल्य रुपयों में

(C) लागत एवं विक्रय रुपयों में

(D) उत्पादन का मूल्य रुपयों में

90. यदि व्यापारिक लेनदार ₹ 10,000, अदत्त व्यय लेनदार के 10%, चालू अनुपात 2 : 1, और स्टॉक ₹ 7,000 हो, तो तरल परिसम्पत्ति होगी–

(A) 10,000 (B) 12,000

(C) 14,000 (D) 15,000

91. भविष्य में क्या करना है उसे पहले से ही निर्णय कर लेना कहलाता है–

(A) प्रबन्धन (B) समन्वय

(C) नियोजन (D) निर्णयन

92. कम्पनी अधिनियम की किस धारा द्वारा कम्पनी के अन्तिम लेखे नियन्त्रित होते हैं ?

(A) धारा 210 (B) धारा 211

(C) धारा 212 (D) धारा 213

93. एक निजी कंपनी के सदस्य–

(A) अपने अंशों को किसी भी अन्य को स्वतंत्रतापूर्वक हस्तांतरित करने का अधिकार रखते हैं

(B) अपने अंशों को बिल्कुल भी हस्तांतरित नहीं कर सकते

(C) अंतर्नियमों द्वारा लगाई गई सीमाओं के अंतर्गत अपने अंशों के हस्तांतरण का अधिकार रखते हैं

(D) कंपनी विधि बोर्ड की पूर्व अनुमति प्राप्त कर अपने अंशों का हस्तांतरण कर सकते हैं

94. दिया हुआ है–

	₹
प्रारम्भिक रहतिया	5,000
अन्तिम रहतिया	7,000
क्रय	10,000
निर्माण व्यय	20,000

आग से जलने के कारण साम्रगी की हानि निर्माण लागत होगी–

(A) ₹ 28,000 (B) ₹ 29,000

(C) ₹ 27,000 (D) ₹ 30,000

95.

परिसम्पत्ति	1 जनवरी, 95 ₹	31 दिसम्बर, 95 ₹
चालू सम्पत्ति	1,20,000	1,54,000
अचल सम्पत्ति	1,80,000	1,70,000
(शुद्ध)		
दायित्व	30,000	3,24,000
चालू दायित्व	50,000	60,000
ऋण-पत्र	1,00,000	90,000
पूँजी	80,000	1,10,000
अर्जित अतिरेक	70,000	64,000

अन्य सूचना :

कुल लाभ ₹ 18,000 अवक्षयण ₹ 15,000 कुल लाभांश (जिसमें 10% लाभांश, अंशों के रूप में दिया गया भी शामिल है) ₹ 28,000। वर्ष में निधि का स्रोत है–

(A) ₹ 57,200 (B) ₹ 65,200

(C) ₹ 49,200 (D) ₹ 65,000

96. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

कथन (A) : अनुपात विश्लेषण किसी कम्पनी की वित्तीय सुदृढ़ता के विषय में ज्ञान प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

कथन (R) : किसी निवेशक के लिए किसी कम्पनी में निवेश करने या न करने का निर्णय लेने के लिए अनुपात विश्लेषण एकमात्र मार्गदर्शक होता है।

अब आप नीचे दी गई संकेत योजनानुसार अपना उत्तर चुनिये–

(A) A और R दोनों सत्य हैं R, A की सही व्याख्या है।

(B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(D) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

97. साझेदारी संलेख के अभाव में एक साझेदार द्वारा फर्म को दिए गए ऋण पर ब्याज की स्वीकृति दर होगी–

(A) 5%

(B) 6%

(C) 10%

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

98. निम्नांकित सट्टेबाजी में से कौन-सा वर्ग निकट में प्रतिभूतियों के मूल्यों में गिरावट करता है?

(A) बुल (B) बीयर

(C) स्टैग (D) इनमें से कोई नहीं

99. एक व्यक्ति, जो अमेरिका में रहता है, पहली बार 1 मार्च, 1999 को भारत आया तथा 20 फरवरी, 2000 को अमेरिका वापस चला गया। कर-निर्धारण वर्ष 2000-2001 के लिए वह कहा जाएगा–

(A) निवासी

(B) असाधारण निवासी

(C) अनिवासी

(D) इनमें से कोई नहीं

100. ख्याति है–

(A) अदृश्य सम्पत्ति (B) चालू सम्पत्ति

(C) स्थायी सम्पत्ति (D) व्यक्तिगत सम्पत्ति

101. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही है?

दो घटकों, भूमि एवं श्रम, के साथ एक उत्पादन प्रक्रिया में, यदि भूमि की सीमान्त उत्पादकता ऋणात्मक है, तब वह प्रक्रिया–

(A) भूमि के लिए प्रथम चरण तथा श्रम के लिए द्वितीय चरण में है।

(B) भूमि एवं श्रम के लिए द्वितीय चरण में है।

(C) भूमि के लिए प्रथम चरण तथा श्रम के लिए तृतीय चरण में है

(D) श्रम के लिए प्रथम चरण तथा भूमि के लिए तृतीय चरण में है।

102.

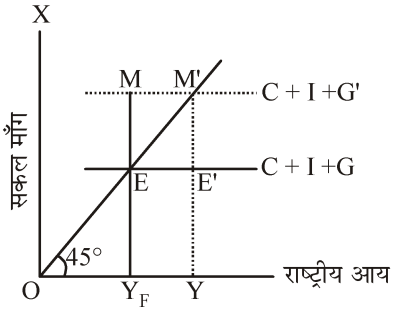

ऊपर दिखाए गए रेखाचित्र में E बिन्दु पूर्ण रोजगार संतुलन को दिखाता है जहाँ सकल माँग फलन C + I + G है। सकल माँग फलन बढ़कर C + I + G' हो जाता है। निम्नलिखित में से किस स्थिति में EM द्वारा निरूपित किया गया है (स्थिर सामान्य कीमत स्तर की पूर्व-धारणा को छोड़कर) ?

(A) स्फीति अन्तराल

(B) अवस्फीति अन्तराल

(C) तरलता जाल

(D) बचत व विनियोजन अन्तराल

103. लाफर वक्र निम्नलिखित में से किसके मध्य सम्बन्ध की व्याख्या करता है ?

(A) कर दरें एवं कर आय

(B) कर दरें एवं रोजगार

(C) कर दरें एवं आय

(D) कर दरें एवं सरकारी व्यय

104. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत अल्पावधि लाभ अधिकतम होता है, यदि–

1. द्वितीय कोटि की शर्त सन्तुष्ट होती है।
2. MC वक्र MR वक्र को नीचे से काटती है।
3. MC वक्र MR वक्र को ऊपर से काटती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

(A) 1 और 3 (B) 1 और 2

(C) केवल 1 (D) केवल 2

105. एक बंटन में निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए : $\bar{X} = 45$ माध्यिका = 48, विषमता गुणांक = 0.3 है।

मानक विचलन का मान क्या होगा ?

(A) 20 (B) 25

(C) 28 (D) 30

106. प्रतिस्थापन लोच रैखिक-सजातीय उत्पादन फलन की स्थिति में–

(A) इकाई होगी

(B) इकाई से अधिक होगी

(C) इकाई से कम होगी

(D) शून्य होगी

107. एक पूर्ण प्रतियोगी उद्योग में माना कि बाजार माँग फलन $Q_d = 4,750 - 50\ P$ तथा बाजार पूर्ति फलन $Q_s = 1,750 + 50\ P$ दिया हुआ है। कीमत रुपयों में दिखाई गई है। निम्नलिखित में से कौन-सा एक, बाजार संतुलन कीमत के बराबर है ?

(A) ₹ 30 (B) ₹ 20

(C) ₹ 25 (D) ₹ 26

108. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

विकुचित माँग वक्र विश्लेषण कीमत अलोच-शीलता की व्याख्या करने में सहायक है क्योंकि इसका आशय यह है कि अल्पाधिकारी–

1. द्वारा कीमत घटाने से उसे कुछ अतिरिक्त ग्राहक मिलेंगे क्योंकि फर्म के प्रतियोगी भी कीमत घटाएँगे।
2. अनेक ग्राहकों को खो देगा यदि कीमत बढ़ाता है, क्योंकि प्रतिद्वंद्वी अनुकरण नहीं करेंगे
3. लागत बढ़ जाने पर भी समान उत्पाद स्तर पर प्रायः MR = MC प्राप्त करेगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(A) केवल 1

(B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

109. उधार गुणक गुणांक होता है–

(A) नकद आरक्षित अनुपात का व्युत्क्रम

(B) नकद आरक्षित अनुपात के बराबर

(C) बेशी आरक्षितियों का प्राथमिक निक्षेपों के साथ अनुपात

(D) ब्याज दर का प्राथमिक निक्षेपों के साथ अनुपात

110. यदि प्रति समय इकाई, t समग्र माँग में वृद्धि (Y) समीकरण : $\left[\frac{\partial Y}{\partial t}\right]_d = \frac{1}{1-MPC}\left[\frac{\partial I}{\partial t}\right]$ द्वारा प्रस्तुत है और उत्पादन की आपूर्ति में वृद्धि समीकरण $\left[\frac{\partial Y}{\partial t}\right]_s = \sigma\left[\frac{\partial k}{\partial t}\right]$ द्वारा प्रस्तुत की गई है,

जहाँ MPC = उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति है, $\frac{\partial I}{\partial t}$ और $\frac{\partial k}{\partial t}$ प्रति समय इकाई निवेश और पूँजी स्टॉक में क्रमशः परिवर्तन है, तो वस्तु बाजार सन्तुलन होने पर, निवेश का क्षमता सृजनकारी प्रभाव या डोमर प्रभाव किसके बराबर होता है ?

(A) $\sigma(1 - MPC)$

(B) $\sigma\left(\frac{1}{1 - MPC}\right)$

(C) $\frac{1}{\sigma}(1 - MPC)$

(D) $\frac{1}{\sigma}\ \frac{1}{1 - MPC}$

111. 15 कर्मचारियों का कुल वेतन प्रति माह ₹ 1,00,000 है तो $\frac{1,00,000}{15}$ प्रदर्शित करता है—

(A) प्रति कर्मचारी प्रति माह औसत वेतन

(B) प्रति माह औसत वेतन

(C) प्रति कर्मचारी औसत वेतन

(D) प्रत्येक कर्मचारी का मासिक वेतन

112. यदि लाभ विक्रय मूल्य का 25% है, तो लागत पर लाभ का प्रतिशत होगा—

(A) 20% (B) 25%

(C) $33\frac{1}{3}\%$ (D) 30%

113. अ और ब साझेदार हैं जो लाभ-हानियों का विभाजन 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। उन्होंने फर्म में स को प्रवेश दिया और 1/5 लाभ देना स्वीकार किया। नया लाभ-हानि विभाजन अनुपात होगा—

(A) 8 : 2 : 2 (B) 6 : 4 : 3

(C) 8 : 3 : 4 (D) 8 : 4 : 3

114. एक व्यक्ति किसी गत वर्ष में निवासी है, तो अगले गत वर्ष में होगा—

(A) असाधारण निवासी

(B) अनिवासी

(C) निवासी

(D) तीनों में से कोई एक

115. लिमिटेड का चालू अनुपात 2 : 1 है तथा त्वरित अनुपात 1.5 : 1 है। यदि चालू दायित्व ₹ 60,000 है, तो स्टॉक का मूल्य होगा—

(A) ₹ 1,60,000 (B) ₹ 1,20,000

(C) ₹ 30,000 (D) ₹ 80,000

116. निम्नलिखित में से कौन स्वतन्त्र रूप से हस्तांतरणी है ?

(A) अंश अधिपत्र (B) अंश प्रमाण-पत्र

(C) ऋण पत्र (D) स्थायी जमा रसीद

117. जब कोई कम्पनी लाभ न कमा रही हो, तो निम्नलिखित में से कौन-सी प्रतिभूति कम्पनी के वित्त पर भार सिद्ध होती है ?

(A) समता अंश

(B) पूर्वाधिकार अंश

(C) शोधनीय पूर्वाधिकार अंश

(D) ऋणपत्र

118. कोषों का प्रवाह हुआ तब माना जाता है जब—

(A) लेनदारों को रोकड़ का भुगतान किया जाता है

(B) देनदारों से रोकड़ प्राप्त होती है

(C) मशीनरी का नकद क्रय किया जाता है

(D) उपर्युक्त सभी में

119. एक कम्पनी ने ₹ 100 प्रतिअंश वाले अंशों का निर्गमन किया और उन पर ₹ 80 प्रति अंश प्राप्त हो चुका है। कम्पनी ने 25% की दर से लाभांश की घोषणा की। प्रत्येक अंश पर ₹ 20 का लाभांश आता है। 10% की सामान्य प्रत्याय दर के आधार पर अंश का बाजार मूल्य होगा—

(A) ₹ 40 (B) ₹ 120

(C) ₹ 160 (D) ₹ 200

120. जब कार्यशील पूँजी ₹ 60,000 हो और चालू अनुपात 3 : 1 है तब चालू देनदारियाँ होंगी—

(A) ₹ 30,000 (B) ₹ 80,000

(C) ₹ 90,000 (D) ₹ 1,20,000

121. निधि प्रवाह विवरण का मूल उद्देश्य निम्नलिखित को इंगित करता है—

(A) वित्तीय स्थिति

(B) परिसम्पत्तियों में वृद्धि अथवा कमी

(C) दायित्वों में वृद्धि अथवा कमी

(D) कार्यशील पूँजी में वृद्धि अथवा कमी

122. क्रय की राशि क्या होगी, यदि—

प्रारम्भिक रहतिया	₹ 10,000
अन्तिम रहतिया	₹ 8,000
बिक्री	₹ 1,10,000
विक्रय माल की लागत	₹ 80,000

(A) ₹ 78,000 (B) ₹ 30,000

(C) ₹ 82,000 (D) ₹ 92,000

123. क्रय कर सकती है, स्वयं अपने—

(A) समता अंशों को

(B) पूर्वाधिकार अंशों को

(C) ऋणपत्रों को

(D) इन सभी को

124. यदि X कम्पनी की प्रति अंश पर आय ₹ 15 हो और समान कम्पनियों की कीमत-आय अनुपात ₹10 है; तो X कम्पनी के अंशों का बाजार मूल्य होगा—

(A) ₹ 300 (B) ₹ 150

(C) ₹ 75 (D) ₹ 25

125. निम्नलिखित में से कौन-सी सम्पत्तियों पर ह्रास नहीं लगता ?

(A) भूमि (B) भवन

(C) प्लान्ट (D) फर्नीचर

व्याख्यात्मक हल

1. (C) X और Y के बीच ख्याति का बँटवारा उनके त्याग के अनुपात में होगा।

पुराना अनुपात = 1 : 1

$$X = \frac{1}{2}$$

$$Y = \frac{1}{2}$$

नया अनुपात = 2 : 1 : 2

$$X = \frac{2}{5}$$

$$Y = \frac{1}{5}$$

$$X \text{ का त्याग} = \frac{1}{2} - \frac{2}{5} = \frac{5-4}{10}$$

$$= \frac{1}{10}$$

$$Y \text{ का त्याग} = \frac{1}{2} - \frac{1}{5}$$

$$= \frac{5-2}{10} = \frac{3}{10}$$

त्याग का अनुपात X एवं Y = $\frac{1}{10} : \frac{3}{10}$

2. (A) संचालनों से कोष = शुद्ध लाभ + मशीनरी पर ह्रास

42,000 = शुद्ध लाभ + 5000

शुद्ध लाभ = 42,000 – 5000 = ₹ 37,000

3. (D) एक अवयस्क साझेदारी फर्म के लाभ में हिस्सा लेने के लिए सभी साझेदारों की सहमति से प्रविष्टि पा सकता है। कोई भी व्यक्ति जिनमें अनुबन्ध करने की क्षमता न हो साझेदार नहीं बन सकता। इसी नियम के अनुसार एक अवयस्क साझेदार नहीं हो सकता। लेकिन भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 में यह प्रावधान है कि यदि अन्य साझेदार चाहे तो अवयस्क को

फर्म के लाभों में साझेदार के रूप में स्वीकार कर सकते हैं। ध्यान रहे कि अवयस्क साझेदार का फर्म की हानि में हिस्सा नहीं होता और इसका दायित्व भी सीमित होता है। अत: विकल्प (D) सही उत्तर है।

4. (B) उपर्युक्त विवरणों के आधार पर परिचालन से प्राप्त रकम की राशि ₹ 5,38,000 होगी।

5. (B) सही मिलान निम्न है–

(a) प्रारम्भिक कार्य–अस्थगित आयगत व्यय

(b) व्यावसायिक ऋण पत्र पर ब्याज–आयगत व्यय

(c) जीवनभर का चन्दा–पूँजीगत प्राप्ति

(d) बैंक जमाओं पर ब्याज –आयगत प्राप्ति ब्याज

6. (B) प्रबन्ध अंकेक्षण का तात्पर्य किसी व्यावसायिक इकाई के सभी स्तरों पर कार्यरत प्रबन्धकों के कार्य-कलापों का स्वतंत्र, निष्पक्ष, क्रमबद्ध तथा वस्तुपरक मूल्यांकन कर उन्हें सहायता प्रदान करने से है जिससे कि वे अपनी कमियाँ व अच्छाइयाँ जान सकें और अधिक कुशलता एवं सफलता के साथ अपने उत्तरदायित्व का वहन करते हुए, संस्था के उद्देश्यों को प्राप्त कर सकें।

7. (B) समान्तर माध्य या मध्यांक किसी भी समंक श्रेणी के माध्य का मान होता है। इसे $\bar{X}$ से प्रदर्शित करते हैं।

गुणोत्तर माध्य (G.M.) तथा हरात्मक माध्य (H.M.) की सहायता से समान्तर माध्य $\bar{X}$ की गणना हेतु निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग करते हैं–

$$G.M. = \sqrt{\bar{X} \times H.M.}$$

or $$G.M^2 = \bar{X} \times H.M.$$

or $$\bar{X} = \frac{G.M.^2}{H.M.}$$

दिया है,

G.M. = 15

H.M. = 9

$\bar{X}$ = ?

इस प्रकार –

$$\bar{X} = \frac{(15)^2}{9}$$

$$= \frac{225}{9}$$

$$= 25$$

8. (D) नाममात्र का साझेदार वह साझेदार होता है जो न तो व्यवसाय में किसी प्रकार की पूँजी लगाता है और न ही व्यापार के संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेता है, बल्कि यह तो केवल अपने नामों का उपयोग करने की अनुमति प्रदान करते हैं। नाममात्र के साझेदार को फर्म के लाभों में कोई हिस्सा नहीं मिलता, किन्तु फिर भी वह सामान्य साझेदारों की भाँति तृतीय पक्षकारों के प्रति उत्तरदायी होता है।

9. (A) नत्थीकरण, अभिलेख रखने की एक विधि या प्रारूप है।

10. (B) कथन (A) सत्य है, तर्क (R) सत्य है क्योंकि अंशों के हरण के बाद अंशधारी की देयता समाप्त हो जाती है।

11. (D) अन्तिम खाते तथा विवरण पत्र के अन्तर्गत निम्नलिखित को शामिल किया जाता है–

i. व्यापार खाता

ii. लाभ-हानि खाता

iii. आर्थिक चिट्ठा

12. (B) आनुषंगिक हानि बीमा में, अगर अग्नि के कारण शुद्ध लाभ की हानि होती है तो उस हानि की क्षतिपूर्ति बीमित कम्पनी द्वारा की जायेगी।

13. (C) रहतिया आवर्त अनुपात की गणना बेचे गये माल की लागत में औसत रहतिया से भाग देकर की जाती है। अर्थात्–

रहतिया आवर्त अनुपात

$$= \frac{\text{बेचे गये माल की लागत}}{\text{औसत स्कन्ध}}$$

औसत स्कन्ध =

$$\frac{\text{प्रारम्भिक रहतिया + अन्तिम रहतिया}}{2}$$

प्रश्नानुसार,

Opening stock = 50,000

Closing stock = 60,000

Cost of Goods Sold = 2,20,000

अत:

$$\text{Stock Turnover Ratio} = \frac{2,20,000}{55,000}$$

= 4 time

14. (D) लाभ का पुनर्विनियोग आंतरिक स्रोतों से वित्तीय प्रबंध का वह उदाहरण है जिसमें लाभ का संपूर्ण अंश अंशधारियों में नहीं बाँटा जाता बल्कि एक भाग भविष्य की जरूरतों हेतु संचय एवं कोष के रूप में रख लिया जाता है।

15. (A) भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान द्वारा निर्गमित लेखांकन मापदण्ड के एएस-6 के अन्तर्गत ह्रास लेखांकन का वर्णन है। यह मानक किसी मान्य स्टॉक एक्सचेन्ज में सूचीबद्ध कम्पनियों के लिए है।

16. (A) चालू दायित्व का आशय ऐसे दायित्व से है जिसका भुगतान एक वित्तीय वर्ष में कर दिया जाता है। चालू दायित्व के अन्तर्गत निम्नलिखित को शामिल किया जाता है–

Outstanding wages

Bills payable

Creditors

Outstanding salary etc.

17. (B) शेयर वारन्ट धारक को सार्वजनिक कम्पनी में पूर्ण प्रदत्त अंशों के बदले में शेयर मिल सकते हैं, क्योंकि सार्वजनिक कम्पनी अपने शेयर बेच सकती है।

18. (A) ख्याति एक अमूर्त सम्पत्ति है, अत: इसे चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में स्थायी सम्पत्ति के अन्तर्गत दर्शाया जाता है।

19. (A) प्रारम्भिक व्ययों को चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है। यह एक fictitious सम्पत्ति होती है। इसे कुछ वर्षों के दौरान धीरे-धीरे चिट्ठे से अपलिखित कर देते हैं।

20. (C) रहतिया विक्रय अनुपात

$$= \frac{\text{विक्रय किये गये माल की लागत}}{\text{औसत रहतिया}}$$

औसत रहतिया

$$= \frac{\text{प्रारम्भिक रहतिया + अन्तिम रहतिया}}{2}$$

$$= \frac{20,000 + 80,000}{2}$$

$$= \frac{1,00,000}{2} = 50,000$$

अत: अनुपात = $\frac{1,00,000}{50,000}$ = 2 गुना

21. (A) माध्य की गणना ग्राफ की सहायता से नहीं की जा सकती है। शेष माध्यिका, बहुलक व चतुर्थक की गणना ग्राफ की सहायता से की जा सकती है।

22. (B) प्रश्नानुसार,

X लि. द्वारा खरीदे गये भूमि एवं भवन का मूल्य = ₹ 28,80,000

4% छूट प्रदान करने पर निर्गमित किए जाने वाले ऋणपत्र का मूल्य

= 100 – (100 × 4%)

= 100 – 4

= ₹ 96 प्रति ऋणपत्र

∴ निर्गमित ऋणपत्रों की संख्या

$$= \frac{28,80,000}{96} = 30,000 \text{ ऋणपत्र}$$

23. (D) शुद्ध कार्यशील पूँजी में चालू सम्पत्ति एवं चालू दायित्व का अंतर होता है। अन्य शब्दों में, चालू सम्पत्तियों जैसे रोकड़, देनदार आदि का जो कि एक वर्ष के अंदर रोकड़ में परिवर्तनीय है, का चालू दायित्व (1 वर्ष के अन्दर) पर कितना अधिशेष है, ही तथा शुद्ध कार्यशील पूँजी की राशि स्पष्ट करता है।

24. (D) कम्पनी अधिनियम 1956 के अनुसार प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की दर शुद्ध लाभ के 11% से अधिक नहीं होती है।

25. (C) पूर्वाधिकार अंशों का विमोचन निम्न स्रोतों से किया जा सकता है–

- लाभांश हेतु उपलब्ध लाभों से।
- नये अंशों के निर्गमन से प्राप्ति राशि से।

पूर्वाधिकार अंशों के विमोचन पर निम्न प्रविष्टि की जाती है–

(i) पूर्वाधिकार अंश खाता डेबिट
पूर्वाधिकार अंशधारी खाता से

(ii) पूर्वाधिकार अंशधारी खाता
रोकड़ खाता से

26. (A) सही सुमेल निम्न है–

	A	B
(i)	आन्तरिक अंकेक्षण	– वैकल्पिक
(ii)	वैधानिक अंकेक्षण	– अनिवार्य
(iii)	चालू अंकेक्षण	– वैकल्पिक
(iv)	प्रबन्ध अंकेक्षण	– ऐच्छिक

27. (D) अंशों के निर्गमन पर छूट खाता को डेबिट निम्न प्रविष्टि के द्वारा की जायेगी–

Machinery A/c	7,20,000	
Discount A/c	80,000	
To share capital A/c		8,00,000

28. (B) साझेदारी फर्मों का एकीकरण होने पर सम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर होने वाले लाभ को साझेदारी के पूँजी खाते में क्रेडिट कर दिया जाता है। पुनर्मूल्यांकन से होने वाले लाभ या हानि को साझेदारों में लाभालाभ अनुपात में बाँटना चाहिए और सम्पत्तियों व दायित्वों को नये मूल्य पर चिट्ठे में दिखाया जाना चाहिए।

29. (A) प्रश्न में दिये गये कथन वाक्य तथा तर्क वाक्य दोनों सत्य हैं तथा तर्क वाक्य, कथन वाक्य की सही ढंग से व्याख्या भी कर रहा है।

30. (A) एक व्यावसायिक इकाई में निर्णय वृक्ष संगठनात्मक प्रभावशीलता को बढ़ाता है।

31. (B) **पार्षद् सीमानियम**—पार्षद् सीमानियम किसी कम्पनी का चार्टर होता है और अधिनियम के अन्तर्गत स्थापित कम्पनी जिसके अनुसार कम्पनी का व्यापार चलाया जायेगा।

अत: पार्षद् सीमानियम में उल्लिखित उद्देश्य से परे अगर कोई कार्य होता है तो उसे ''अधिकार से परे'' का सिद्धांत कहते हैं।

32. (B) चालू अनुपात $= \frac{\text{चालू सम्पत्तियाँ}}{\text{चालू दायित्व}}$

चालू सम्पत्तियाँ = 14,40,000 + 9,00,000 – 7,60,000 = 15,80,000

चालू अनुपात $= \frac{15,80,000}{6,00,000} = 2.6 : 1$

33. (B) जनसंख्या के सम्बन्ध में सर्वप्रथम टॉमस राबर्ट माल्थस ने सन् 1798 में एक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया जिसे उन्हीं के नाम पर माल्थस जनसंख्या सिद्धांत कहते हैं। माल्थस के जनसंख्या सिद्धांत के सम्बन्ध में प्रमुख बातें इस प्रकार हैं–

1. मानव की कामवासना यथास्थिर होती है और इसकी सन्तुष्टि के परिणाम-स्वरूप सन्तानोत्पत्ति आवश्यक है।
2. आर्थिक सम्पन्नता और सन्तानोत्पत्ति के मध्य सीधा और घनिष्ठ सम्बन्ध है।
3. मनुष्य को जीवित रहने के लिए भोजन आवश्यक है।
4. कृषि में उत्पादन ह्रास नियम लागू होता है।

स्पष्ट: माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत प्रत्यक्ष रूप से उत्पत्ति ह्रास नियम पर निर्भर नहीं करता बल्कि कृषि के क्षेत्र में उत्पत्ति ह्रास नियम प्रभावशील होता है।

जबकि अनुकूलतम जनसंख्या से आशय उस जनसंख्या से है, जो किसी देश में एक निश्चित समय में दिये हुए साधनों के अधिकतम उपयोग तथा अधिकतम उत्पादन के लिए आवश्यक हो। जब देश की जनसंख्या का आकार आदर्श रहता है, तभी प्रति व्यक्ति आय अधिकतम होती है– अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत की आधारभूत विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

1. अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत का आधार उत्पादन के नियम हैं।
2. अनुकूलतम जनसंख्या बिन्दु एक गतिशील बिन्दु होता है।
3. अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धांत केवल परिमाणात्मक नहीं बल्कि गुणात्मक धारणा भी है।

स्पष्ट है कि दिया गया कथन (ii) व (iii) सही नहीं है।

34. (C) कच्चे माल का मूल्यांकन लागत मूल्य पर किया जाता है।

35. (D) लेखांकन में लागू पद्धति के अनुसार, ह्रास एक लेखांकन प्रक्रिया है जिसके द्वारा दीर्घ जीवन वाली सम्पत्तियों की लागत को विभिन्न लेखांकन समयावधियों में आवंटित किया जाता है। मूल्य ह्रास का सम्बन्ध स्थायी एवं मूर्त सम्पत्तियों से है। अस्थायी या अमूर्त सम्पत्तियों पर ह्रास नहीं लगाया जाता।

36. (C) भारत में एक रुपये का नोट भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय द्वारा जारी किया जाता है। जिस पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होते हैं, जबकि इससे अधिक के शेष सभी नोट का निर्गमन देश के केन्द्रिय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है

37. (D) जब सभी ऋणपत्रों का विमोचन हो जाता है तो ऋणपत्र सिंकिंग फंड खाते का शेष निम्न प्रविष्टि के माध्यम में सामान्य संचय खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

38. (B) सहसम्बन्ध गुणांक का मान धनात्मक तब होता है जब X तथा Y दोनों चरों में परिवर्तन समान दिशा में हो अर्थात् एक चर बढ़े तो दूसरा चर भी बढ़े और एक चर घटे तो दूसरा चर भी घटना चाहिए, जबकि ऋणात्मक मान तब होगा जब X तथा Y दोनों चरों में विपरीत दिशा में परिवर्तन हो अर्थात् एक घंटे तो दूसरे बढ़े अथवा एक बढ़े तो दूसरा घटे।

इस प्रकार विकल्प (B) में दिया गया कथन कि X तथा Y दोनों के मान बढ़ रहे हों, की स्थिति में सहसम्बन्ध गुणांक धनात्मक चिन्ह में आयेगा।

39. (B) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के अनुसार कोई भी व्यक्ति एक साथ 20 से अधिक कम्पनियों का संचालक नहीं हो सकता। अगर वह इससे अधिक है तो दो महीने के अन्दर अतिरिक्त कम्पनियों के संचालक पद से त्यागपत्र देना होगा।

40. (B) माल के आयात के लिए दिया जाने वाला आदेश **आयात आदेश** कहलाता है।

41. (B) हर्जबर्ग की द्विघटक विचारधारा के अन्तर्गत आरोग्य घटक अभिप्रेरक का कार्य नहीं करते हैं, किन्तु इनकी अनुपस्थिति असन्तुष्टि जरूर देती है। इसके अन्तर्गत बीमारी में कमी तत्व को शामिल नहीं किया गया है।

42. (C) दिया है,

Capital (on 1 Jan.)	= ₹ 19,400
Capital (on 31 Dec.)	= ₹21,500
Drawing	= ₹ 4,300
Profit/Loss	= ?

अत:

Capital (1 Jan.)	= 19,400
Less Drawing	– 4,300
	15,100
Profit	6,400 Balance)
Capital (on 31 Dec.)	= 21,500

इस प्रकार लाभ की राशि ₹ 6400 है।

43. (D) गोपनीयता लेखांकन की प्रथा (convention) नहीं है।

44. (A) कम्पनी सचिव को संचालक मण्डल की बैठक को आहूत करने की क्षमता है।

45. (C) अंशहरण खाते का शेष चिट्ठे के ''अंश पूँजी खाते'' के शीर्षक के अन्तर्गत जोड़कर दिखलायी जाती है।

46. (A) व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए व्यापारी अपने व्यापार में जो कुछ भी निवेश करता है, वह उस व्यापार की पूँजी होती है। अत: व्यापार की पूँजी = 50,000 + 50,000 + 1,00,000 = 2,00,000

47. (C) व्यवसाय नीति में परिवर्तन की जानकारी, कम्पनी सचिव द्वारा कम्पनी के अंशधारियों को नहीं दी जाती है। यह जानकारी संचालक मण्डल द्वारा दी जाती है।

48. (B) क्रय = बिक्रीत माल की लागत + अन्तिम रहतिया – प्रारम्भिक रहतिया = 80,000 + 8,000 – 10,000 = ₹ 78,000

49. (B) कपास की गिनिंग, कताई तथा बुनाई मिलों का संयोजन उदग्र है क्योंकि ये समस्त एक क्रिया (कपड़ा बनाने की) की प्रक्रियाएँ हैं।

उदाहरण :

कपास की गिनिंग
↓
कताई
↓
बुनाई
↓
उदग्र संयोजन

50. (D) उपार्जित ब्याज खाता एक प्रतिनिधित्व व्यक्तिगत खाता है।
देय विपत्र खाता - वास्तविक खाता
बैंक ऋण खाता - व्यक्तिगत खाता
पूर्वदत्त वेतन खाता - प्रतिनिधित्व व्यक्तिगत खाता है।

51. (C) अमेरिकी प्रबन्धशास्त्री एफ. डब्ल्यू. टेलर महोदय वैज्ञानिक प्रबन्ध के जनक हैं।

52. (D) सर्वप्रथम यह मापदण्ड जून 1881 में वित्तीय स्थिति में परिवर्तन के नाम से प्रस्तुत किया गया । इसके बाद मार्च 1997 में इस मापदण्ड में संशोधन किया गया तथा ''वित्तीय स्थिति में परिवर्तन'' को निरस्त कर दिया गया और इसके स्थान पर संशोधित मापदण्ड ''रोकड़ प्रवाह का विवरण'' प्रस्तुत किया गया। लेखांकन मापदण्ड-3 के अनुसार स्कन्ध विपणि पर सूचीयत कम्पनी हेतु तथा ₹ 50 करोड़ से अधिक बिक्री वाले उपक्रमों हेतु ''रोकड़ प्रवाह विवरण'' आदेशात्मक है।

53. (D) विमोचन योग्य अधिमान अंशों का विमोचन निम्न में से होता है–
कम्पनी के लाभों में
अंशों के पुन: निर्गमन से

54. (A) आर्थिक चिट्ठा (Balance Sheet) एक ऐसा वित्तीय विवरण है जो वित्तीय वर्ष के अन्त में एक विशेष तिथि को संस्था की आर्थिक स्थिति को प्रकट करता है। इसे तुल-पत्र भी कहते हैं। इसके बायें पक्ष में दायित्वों एवं दायें पक्ष में सम्पत्तियों को दर्शाया जाता है।

55. (B) संचयी पूर्वाधिकारी अंशधारी उन वर्षों हेतु जिन वर्ष पर्याप्त लाभ नहीं हुआ था, का लाभांश उन वर्षों में वसूलने का अधिकार रखते हैं जिस वर्ष पर्याप्त लाभ हो।

56. (C) रजिस्ट्रार द्वारा संयुक्त स्कन्ध कम्पनी की विशेष अनुमति से अधिक से अधिक 18 माह तक एक कम्पनी के वित्तीय वर्ष को बढ़ाया जा सकता है।

57. (C) नियोजन तथा नियन्त्रण दोनों अग्रदर्शी होते हैं।

58. (C) यदि एक फर्म अपने ग्राहक से प्राप्त अग्रिम राशि को अपनी आय मान लेती है, तो वह लेखांकन के वसूली अवधारणा का उल्लंघन करती है क्योंकि इस अवधारणा के अनुसार आगम तभी वसूल हुआ माना जाता है, जब माल की बिक्री सम्पन्न हो जाए अथवा सेवा ठेकों की स्थिति में सेवा का निष्पादन पूरा हो जाए। जब माल की सुपुर्दगी कर दी जाती है या मॉल का स्वत्व हस्तान्तरित हो जाता है तब इसे बिक्री हुआ मानते हैं।
अत: विकल्प (C) सही उत्तर है।

59. (D) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 54 के अनुसार एक निजी कम्पनी सार्वजनिक कम्पनी मानी जायेगी, जब–

- कम्पनी की प्रदत्त अंश पूँजी का कम से कम 25% भाग एक से अधिक निकायों द्वारा धारित हो।
- जहाँ निजी कम्पनी के द्वारा एक या एक से अधिक सार्वजनिक कम्पनियों की जो अंश पूँजी रखती है, प्रदत्त अंश पूँजी का कम से कम 25% भाग धारित हो।

60. (A) साख पत्र एक ऐसा प्रपत्र है जो विदेशी व्यापार की दशा में आयातकर्ता के बैंक द्वारा निर्यातकर्ता के बैंक को लिखा जाता है।

61. (D) अग्रदाय पद्धति शब्द का प्रयोग खुदरा रोकड़ बही (Petty Cash Book) के सन्दर्भ में किया जाता है। यह एक ऐसी बही है, जिसमें प्रतिदिन के खुदरा रोकड़ व्ययों का लेखा किया जाता है।

62. (C) जब किसी वस्तु का निर्माण या विक्रय करने वाली संस्थाओं द्वारा किसी वस्तु का क्रय विक्रय किया जाता है तो ऐसी स्थिति में वे संस्थाएँ जो किसी वस्तु/माल का निर्माण करती हैं, कच्चे माल की आपूर्ति हेतु उत्पादन विभाग को माल की आपूर्ति के लिए आदेश देती हैं, तत्पश्चात् उत्पादन हेतु आपूर्ति की जाने कच्ची सामग्री के निर्गमन करने से पूर्व मूल्यांकन किया जाता है जिसके लिए वे HIFO, LIFO, FIFO आदि मूल्यांकन विधियों को अपनाती हैं।

63. (C) अन्तिम रहतिया (Closing Stock) यदि समायोजनाओं में दिया गया है तो इसे व्यापार खाते के क्रेडिट पक्ष तथा आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है, किन्तु यदि अन्तिम रहतिया तलपट में दिया गया है, तो इसे केवल चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में ही दिखाया जाता है।

64. (A) आन्तरिक पुनर्निर्माण में किसी भी कम्पनी का समापन नहीं होता है, बल्कि विद्यमान कम्पनियों की आन्तरिक वित्तीय संरचना एवं संगठन संरचना का संयोजन किया जाता है। इस प्रकार आन्तरिक पुनर्निर्माण में पुनर्समायोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत मुख्यत: पूँजी सम्बन्धी घटकों पर ध्यानाकर्षण किया जाता है।

65. (B) दिया गया कथन कि सामान्य मूल्य वह मूल्य होता है जिसके दीर्घकाल में स्थापित होने की कोई सम्भावना नहीं रहती है, गलत है क्योंकि सामान्य मूल्य सम्बन्धी धारणा दीर्घकाल से ही सम्बन्धित है। सामान्य मूल्य वह मूल्य होता है, जिसके चारों तरफ बाजार मूल्य चक्कर लगाता है। इसे निम्नलिखित रेखा चित्र से स्पष्ट किया जा सकता है–

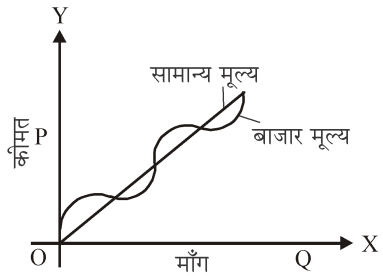

66. (B) एक विवेकपूर्ण उत्पादक उस बिन्दु पर उत्पादन करना पसन्द करेगा जहाँ सीमान्त उत्पादन घटता हुआ किन्तु धनात्मक हो, इस स्थिति में औसत उत्पादन भी घटता हुआ होता है किन्तु इसकी घटने की दर सीमान्त उत्पादन से कम होती है। इन सभी परिस्थितियों में कुल उत्पादन बढ़ता हुआ तथा धनात्मक होता है।

67. (C) 'रिकार्डो के लगान सिद्धांत' के अनुसार लगान (किराया) भूमि की विभेदी उर्वरता के कारण उत्पन्न होता है। इस सिद्धांत में रिकार्डो ने लगान को परिभाषित करते हुए लिखा है कि 'लगान भूमि की मौलिक तथा अविनाशी शक्तियों के प्रयोग के बदले भुगतान है।'

68. (A) यदि लघु कार्य राशि को अपलिखित करने की अवधि समाप्त हो गई है तो लघु कार्य को पट्टेदार द्वारा लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

69. (B) सामान्यतः वितरण के सिद्धान्त से आशय उत्पादन कार्य में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के साधनों के प्रतिफल वितरण/भुगतान से सम्बन्धित होता है। इस सिद्धान्त के अन्तर्गत विभिन्न साधनों को दिये जाने वाले प्रतिफल के बारे में अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाता है। इस सिद्धान्त के अनुसार साधनों के प्रतिफल का निर्धारण भी किया जाता है।

70. (C) दिया गया कथन (A) कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सम्बन्धी पूर्व कथन लगभग असंभव होते हैं, सही है क्योंकि अंशों के मूल्यों में प्रति-परिवर्तन संभव होता है, जबकि कारण (R) की सट्टा क्रियाओं ने अंशों के मूल तत्वों को बिल्कुल नगण्य कर दिया है, सही नहीं है क्योंकि अंश से सम्बन्धित सट्टा क्रियाओं पर मूल तत्वों का प्रभावपूर्ण प्रभाव होता है।

स्पष्ट है कि कथन (A) सही है, जबकि कारण (R) गलत है। अतः विकल्प (C) सही उत्तर है।

71. (D) अभिप्रेरणा के X तथा Y सिद्धांत का प्रतिपादन डगलस मैक ग्रेगर ने किया था। अभिप्रेरण का X सिद्धांत नकारात्मक तथा परम्परागत दृष्टिकोण पर आधारित है जिसके अनुसार श्रमिक काम करने से बचता है और उसे भय व दण्ड देकर काम कराना होता है। जबकि अभिप्रेरणा का Y सिद्धान्त सकारात्मक तथा आधुनिक दृष्टिकोण पर आधारित है जिसके अनुसार श्रमिक स्वेच्छा से कार्य करने को प्रेरित होते हैं। मैक ग्रेगर ने Y सिद्धांत को प्रमुखता दी।

72. (B) सामान्य शब्दों में उपभोक्ता साम्यावस्था की स्थिति में एक वस्तु की सीमान्त उपयोगिता तथा कीमत का अनुपात दूसरी वस्तु की सीमान्त उपयोगिता तथा कीमत के अनुपात के बराबर होता है। अर्थात् यदि तीन वस्तु X, Y तथा Z का उपभोग किया जाए तो इसके लिए उपभोक्ता साम्यावस्था को निम्नलिखित रूप में प्रदर्शित किया जाएगा–

$$= \frac{\text{X वस्तु की सी.उ.}}{\text{X का मूल्य}}$$

$$= \frac{\text{Y वस्तु की सी.उ.}}{\text{Y का मूल्य}}$$

$$= \frac{\text{Z वस्तु की सी.उ.}}{\text{Z का मूल्य}} \text{ या}$$

$$= \frac{MU_X}{P_X} = \frac{MU_Y}{P_Y} = \frac{MU_Z}{P_Z}$$

73. (A) जब कुल उपयोगिता (TU) अधिकतम होती है तो सीमान्त उपयोगिता शून्य होती है, इसे पूर्ण सन्तुष्टि का बिन्दु भी कहते हैं अर्थात् इस बिन्दु पर प्रयोग की जाने वाली इकाई से मिलने वाली उपयोगिता शून्य होती है। इसका प्रमुख कारण सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम का लागू होना है। इस पूर्ण सन्तुष्टि के बिन्दु से यदि एक भी अधिक इकाई का उपभोग किया जाता है तो ऋणात्मक सीमान्त उपयोगिता प्राप्त होती है और कुल उपयोगिता भी घटने लगती है, जो कि एक विवेकशील उपभोक्ता द्वारा नहीं किया जाता है।

74. (D) उत्पादन की अन्तिम इकाई के उत्पादन के कुल लागत में जो वृद्धि होती है, उसे सीमान्त लागत कहते है। दूसरे शब्दों में, उत्पादन कार्य में प्रयुक्त अन्तिम इकाई सीमान्त इकाई कहलाती है और उस पर आने वाली लागत को सीमान्त लागत कहते हैं। इसे इस सूत्र से भी व्यक्त कर सकते हैं–

$MC = TC_n - TC_{(n-1)}$

75. (B) एक सममित आवृत्ति वितरण में माध्य, माध्यिका और बहुलक तीनों ही एक बिन्दु पर होते हैं और तीनों के मान एक समान होते हैं। अर्थात्–

समान्तर माध्य = माध्यिका = बहुलक

$\bar{X} = M = Z$

इसे रेखाचित्र के रूप में इस प्रकार से प्रदर्शित कर सकते हैं–

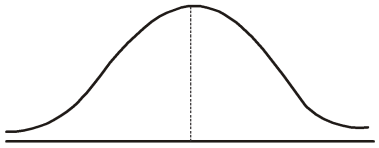

$\bar{X} = M = Z$

76. (D) सामान्यतः प्रबन्ध का क्षेत्र एक उपक्रम में वृहत् रूप से फैला होता है। इसके अन्तर्गत उत्पादन प्रबन्ध, वित्तीय प्रबन्ध, क्रय प्रबन्ध, विपणन प्रबन्ध, विक्रय प्रबन्ध, इत्यादि को शामिल किया जाता है।

77. (D) संकल्पनात्मक (Conceptual) कुशलता की आवश्यकता प्रबन्ध के सभी स्तरों (उच्च, मध्यम, एवं निम्न) पर होती है। इन चातुर्यों की आवश्यकता समस्याओं एवं अवसरों को जानने तथा उनक परीक्षण करने, सम्पूर्ण संगठनात्मक हितों तथा आवश्यकताओं को जानने और उनके उपतन्त्रों से सम्बन्धित करने, विभिन्न संगठनात्मक तथा अन्य व्युत्पन्न उद्देश्यों एवं व्यूहरचनाओं का निर्धारण करने, समीकृत रूप से व्यापक परिवर्तन को लागू करने सम्बन्धी गतिविधियों में प्रयुक्त होती हैं। इसमें योजनाओं एवं निर्णयों को लागू करके दूसरे व्यक्तियों से काम करवाना, साधनों को संगठित करना, विभिन्न विचारों एवं गतिविधियों में समन्वय स्थापित करने की कुशलता सम्मिलित है।

78. (A) एक नये अंकेक्षण को प्रारम्भ करने के लिए प्रयुक्त तत्वों का सही क्रम इस प्रकार होता है–

नियुक्ति की वैधानिकता

अंकेक्षण का क्षेत्र

व्यवसाय की जानकारी

ग्राहक के निर्देश

अंकेक्षण लिपिकों में कार्य का विभाजन

स्पष्ट है कि विकल्प (A) में दिया गया क्रम II, I, III, IV, व V सही क्रम है।

79. (B) कम्पनी अंकेक्षक के दायित्वों को मुख्यतः दो वर्गों में विभक्त किया जाता है–

A. दीवानी दायित्व (Civil Liability)—इसके अन्तर्गत निम्नलिखित दायित्वों को शामिल किया जाता है–

1. लापरवाही के लिए दायित्व
2. कर्तव्य भंग के लिए दायित्व
3. तीसरे पक्षों के प्रति दायित्व
4. कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत दायित्व

B. सापराध कार्यों के लिए दायित्व (Criminal Liability)—जब कोई अंकेक्षण, अंकेक्षण कार्य करते समय ऐसे कार्य करता है, जिन्हें वैधानिक दृष्टि से अपराध माना जाता है तो वे कार्य सापराध कार्य कहे जाते हैं।

अतः स्पष्ट है कि विकल्प (B) सही उत्तर है।

80. (B) जब माँग की मूल्य लोच इकाई ($e_d = 1$) है तो सीमान्त आय शून्य के बराबर होती है। इसके अतिरिक्त माँग की मूल्य लोच इकाई से अधिक ($e_d > 1$) होने पर सीमान्त आय 1 से बड़ी तथा माँग की मूल्य लोच इकाई से कम ($e_d < 1$) होने पर सीमान्त आय शून्य से कम (अर्थात्, ऋणात्मक) होती है।

81. (A) वस्तु X के लिए माँग की आय लोच शून्य से बड़ी पर एक से छोटी है, ऐसी वस्तु एक आवश्यक वस्तु की श्रेणी में आती है। आय में परिवर्तन का प्रभाव ऐसी वस्तुओं पर अधिक नहीं पड़ता है।

82. (B) केन्द्रीय बैंक द्वारा बैंकों के वैधानिक तरलता अनुपात में कमी के परिणामस्वरूप सरकार व्यापारिक बैंकों को पहले की उपेक्षा अधिक ऋणपत्र बेच सकेंगी क्योंकि बैंकों द्वारा कम

वैधानिक तरलता रखे जाने के कारण वे अधिक प्रतिभूतियों को खरीदेंगी।

83. (D) क्रमानुसार प्राकृतिक अंकों का प्रमाप विचलन (S.D. or σ) ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग करते हैं–

$$\sigma = \sqrt{\left(\frac{1}{12}\right)(N^2 - 1)}$$

प्रमाप विचलन की बीजगणितीय विशेषता है कि प्राकृतिक संख्याओं का प्रमाप विचलन बिना प्रत्यक्ष परिकलन अर्थात् बिना विचलन लिए भी ज्ञात किया जाता है।

अत: विकल्प (D) सही उत्तर है।

84. (A) दिये गये विकल्पों में नैत्यक लिपिक अन्य सभी विकल्पों से भिन्न प्रतीत होता है।

85. (A) कम्पनी अधिनियम की धारा 224(6) के अनुसार लेखा परीक्षक के त्यागपत्र के कारण रिक्त स्थान की पूर्ति केवल वार्षिक साधारण सभा में अंशधारियों द्वारा की जाती है।

86. (A) आन्तरिक अंकेक्षक को प्रबन्धन द्वारा हटाया जा सकता है, क्योंकि इनकी नियुक्ति भी प्रबन्धकों द्वारा स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु ही की जाती है। इस प्रकार के अंकेक्षण कार्य स्वयं संस्था के कर्मचारियों द्वारा ही किया जाता है, ताकि उदित होने के समय की त्रुटियों को रोका जा सके। इसके अन्तर्गत एक कर्मचारी द्वारा किये गये कार्य की जाँच दूसरे कर्मचारी द्वारा किये गये कार्य के दौरान ही हो जाती है।

87. (C) विदेशी मुद्रा के विनिमय के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय अधिनियम (FERA-Foreign Exchange Regulation Act) को 10 सितम्बर, 1973 में पारित किया गया। 29 दिसंबर, 1999 में फेरा के स्थान पर विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबन्धन अधिनियम (FEMA-Foreign Exchange Management Act) पारित किया गया जो 1 जून, 2000 से लागू किया गया।

88. (B) भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार किसी भी साझेदारी फर्म में साझेदारों की न्यूनतम संख्या 2 होती है, किन्तु भारतीय कम्पनी अधिनियम 1956 (संसोधित अधिनियम-2013) के अनुसार बैंकिंग व्यवसाय करने वाली साझेदारी फर्म में साझेदारों की अधिकतम संख्या 10 व गैर-बैंकिंग व्यवसाय में साझेदारों की अधिकतम संख्या 20 होती है। इससे अधिक संख्या वाली साझेदारी अवैध मानी जाती है। अत: विकल्प (B) सही उत्तर है।

89. (C) सम-विच्छेद चार्ट में Y अक्ष पर लागत एवं विक्रय (₹ में) को दिखाया जाता है, जबकि X अक्ष पर विक्रय मात्रा (इकाइयों में) को दिखाया जाता है।

अर्थात्

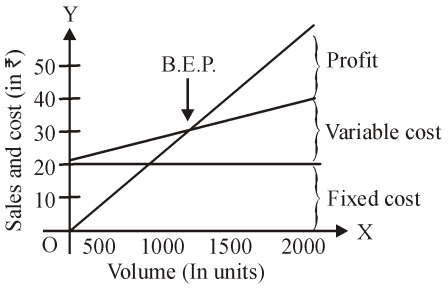

अत: स्पष्ट है कि विकल्प (C) सही उत्तर है।

90. (D) दिया है–

लेनदार = 10,000

चालू अनुपात = 2 : 1

स्टॉक = 7,000

अदत्त व्यय = 10% of लेनदार

= 10000 × 10%

= 1000

चालू दायित्व = 10,000 + 1000

= ₹ 11,000

$$\text{चालू अनुपात} = \frac{\text{चालू सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}}$$

$$\frac{2}{1} = \frac{\text{चालू सम्पत्ति}}{11000}$$

चालू सम्पत्ति = 11,000 × 2

= 22,000

तरल सम्पत्ति = चालू सम्पत्ति – स्टॉक

= 22,000 – 7,000

= ₹ 15,000

91. (C) भविष्य में क्या किया जाना है, कैसे किया जाना है, किसके द्वारा किया जाना है, कब किया जाना है, इन सबका पूर्ण निर्णयन नियोजन कहलाता है।

92. (B) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 द्वारा कम्पनी के अन्तिम लेखे नियन्त्रित होते हैं।

कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार- कम्पनी का चिट्ठा सूची III के भाग 'एक' के अनुसार तथा लाभ-हानि विवरण भाग ''दो'' के प्रारूप के अनुसार तैयार होना चाहिए।

93. (C) एक निजी कम्पनी के सदस्य अन्तर्नियमों द्वारा लगाई सीमाओं के अन्तर्गत अपने अंशों के हस्तान्तरण का अधिकार रखते हैं।

94. (A) निर्माण लागत खाता–

विवरण	राशि	विवरण	राशि
To open stock	5,000	By Closing stock	7,000
To purchase	10,000	By Manufacturing cost	28,000
To Manufacturing exp.	20,000		
Total	35,000		35,000

95. (B) वर्ष में निधि का स्रोत ₹ 65,200 है।

96. (C) कथन (A) सत्य है, किन्तु तर्क (R) असत्य है।

97. (B) साझेदारी संलेख के अभाव में एक साझेदार द्वारा फर्म को दिए गए ऋण पर ब्याज की स्वीकृत दर 6% होती है।

98. (B) बीयर वर्ग प्रतिभूतियों के मूल्य में गिरावट करता है। यह इस मान्यता पर आधारित है कि एक बीयर (भालू) सदैव नीचे देखता है।

99. (B) एक व्यक्ति जो अमेरिका में रहता है, पहली बार 1 मार्च, 1999 को भारत आया तथा 20 फरवरी, 2000 को अमेरिका वापस चला गया। इस प्रकार निर्धारण वर्ष 2000 – 2001 के लिए वह असाधारण निवासी श्रेणी में आयेगा।

100. (A) ख्याति खाता एक अदृश्य सम्पत्ति खाता है जो अदृश्य वास्तविक खाते की श्रेणी में आता है। इसी प्रकार Patent A/c (एकस्व खाता) भी अदृश्य वास्तविक खाता है। इन सभी खातों के शेष को चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में लिखा जाता है।

101. (D) यदि उत्पादन प्रक्रिया में दो घटकों भूमि एवं श्रम लगे हैं। यदि भूमि की सीमान्त उत्पादकता ऋणात्मक है जो यह भूमि के लिए तृतीय चरण है और श्रम के लिए प्रथम चरण है जैसे रेखाचित्र से स्पष्ट है कि MP_K उत्पादन के III अवस्था में ऋणात्मक है।

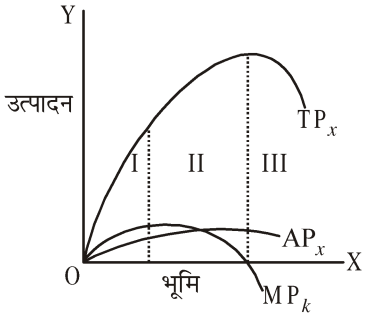

102. (A) रेखाचित्र में E पूर्ण रोजगार सन्तुलन को दिखाता है। इससे अधिक समग्र में वृद्धि स्फीति अन्तराल को दर्शाता है। EM व्यय अर्थव्यवस्था में स्फीति लाती है।

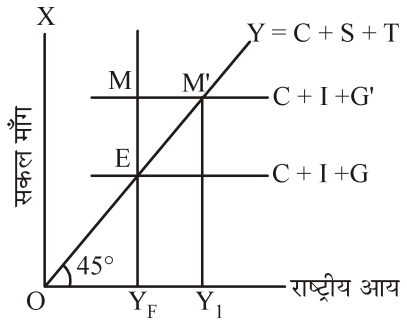

103. (A) लाफर वक्र कर आय और कर की दर के मध्य सम्बन्ध को बताता है तथा इस आधार पर उन्होंने बताया कि कर की दर का इष्टम स्तर होता है जिसके ऊपर कर की दर में वृद्धि से कुल राजस्व में कमी हो जाती है।

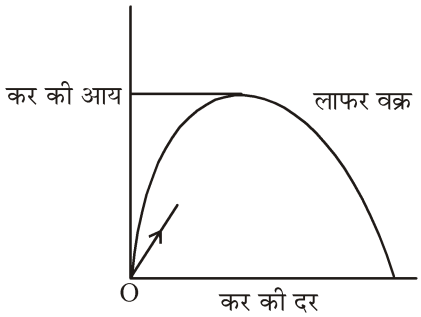

104. (B) पूर्ण प्रतियोगिता में अल्पावधि लाभ अधिकतम होता है, → यदि MR = MC द्वितीय शर्त, MC वक्र MR को नीचे से काटता है। रेखाचित्र में E बिन्दु अल्पावधि अधिकतम लाभ बिन्दु है।

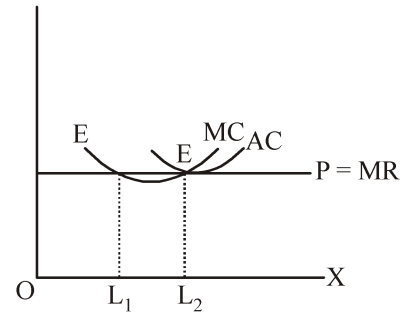

105. (D) (i) विषमता गुणांक $= \dfrac{\overline{X} - m_0}{\sigma}$

(ii) $\overline{X} - m_0 = 3(\overline{X} - m_d)$

$= 3\,(45 - 48)$

$= 3\,(-3) = -9$

अतः $\quad -0.3 = \dfrac{-9}{\sigma}$

$\sigma = \dfrac{-9}{-0.3} = 30$

106. (A) प्रतिस्थापन की लोच

$$(\sigma) = \frac{d(K/L)/(K/L)}{d(MRTS_{LK})/MRTS_{LK}}$$

प्रतिस्थापन की लोच का मान शून्य से अनन्त के बीच होता है। यदि साधन पूरक है तो प्रतिस्थापन लोच σ का मान शून्य होगा। इसके विपरीत उत्पादन फलन रैखिक है तो $d(MRTS_{LK}) = 0$ होगा, तो प्रतिस्थापन की लोच (σ) का मान अनंत होगा। रैखिक सहजातीय उत्पादन फलन में प्रतिस्थापन लोच इकाई होती है।

107. (A) दिया गया है–

$Q_d = 4750 - 50\,P,\ Qs = 1750 + 50\,P$

पूर्ण प्रतियोगिता में सन्तुलन में $Q_d = Qs$

$4750 - 50\,P = 1750 + 50P$

$50P + 50P = 4750 - 1750$

$100\,P = 3000$

$= ₹\ 30$

108. (D) अल्पाधिकारी बाजार परिस्थितियों की व्याख्या के लिए विकुचित माँग वक्र का प्रयोग पाल एम. स्वीजी ने किया। विकुचित माँग वक्र अल्पाधिकारी बाजार में पायी जाने वाली कीमत दृढ़ता की व्याख्या करने में सहायक होती है, क्योंकि यदि अल्पाधिकारी कीमत घटाता है तो उसे कुछ अतिरिक्त ग्राहक मिलेंगे और उसके प्रतियोगी भी कीमत में कटौती करेंगे। इसके विपरीत कीमत बढ़ाने पर अनेक ग्राहक खो देगा, क्योंकि प्रतिद्वंद्वी ऐसा नहीं करेंगे। लागत बढ़ाने पर भी समान उत्पादन स्तर पर MR = MC होगा। जैसे रेखाचित्र में लागत MC_1 से बढ़कर MC_4 हो जाती है तो भी उत्पादन स्तर Q_1 स्थिर रहता है अर्थात् MR' के a', b' भाग में लागत वक्र (MC) कहीं भी विवर्तित होती है तो उत्पादन θ_1 पर स्थिर रहता है।

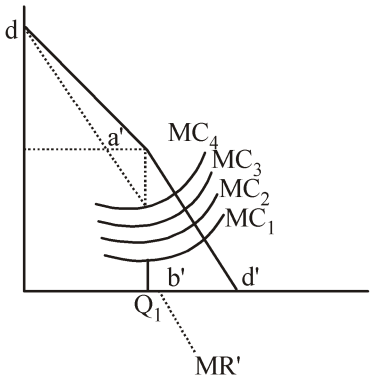

109. (A) $\quad \Delta m = \dfrac{1}{\alpha} \times AD$

मान लीजिए $\quad a = 10\%$ और

प्राथमिक जमा $= 100$

तो $\quad \Delta m = \dfrac{1}{10\%} \times 100$

$\Delta m = 10 \times 100 = 1000$

अब यदि $a = 20\%$ मान लिया जाय तो

$$\Delta m = \frac{1}{20\%} \times 100$$

$$\Delta m = 500$$

इस प्रकार स्पष्ट है कि उधार गुणक नकद आरक्षित अनुपात का व्युत्क्रम होता है।

110. (A) दिए गए समीकरण से :

$$y^p = \sigma k$$

$$\therefore \left[\frac{\partial y^p}{\partial t}\right] = \sigma\left[\frac{\partial k}{\partial t}\right]$$

निवेश व्यय के समता प्रभाव के कारण आय सृजन प्रभाव उत्पन्न होता है।

$$\therefore \quad y = \frac{1}{s} I$$

अथवा $\quad y = \dfrac{1}{1 - MPC} I$

$$\left[\frac{\partial y}{\partial t}\right] = \frac{1}{1 - MPC}\left[\frac{\partial I}{\partial t}\right]$$

डोमर के अनुसार, निवेश का आपूर्ति पक्ष प्रभाव बना रहता है। इसके कारण निवेश का क्षमता प्रभाव इसके आय प्रभाव के बराबर होता है।

$\sigma\,(1 - MPC)$

111. (A) यदि 15 कर्मचारियों का कुल वेतन प्रति माह ₹ 1,00,000 है तो $\dfrac{1,00,000}{15}$ के द्वारा प्रति कर्मचारी प्रति माह औसत वेतन को ज्ञात किया जाता है।

112. (C) माना विक्रय मूल्य = 100%

लाभ = 25%

लागत या क्रय = 100 – 25 = 75%

अतः लाभ प्रतिशत लागत पर

$$= \frac{25}{75} \times 100 = 33\frac{1}{3}\%$$

113. (D) **सूत्र**—नए साझेदार का अंश 1/5

पुराने साझेदार हेतु बचा लाभ अपने पुराने अनुपात में यानि 2 : 1 में बाँटेंगे।

$$\therefore \quad A = \frac{4}{5} \times \frac{2}{3} = \frac{8}{15}$$

$$B = \frac{4}{5} \times \frac{1}{3} = \frac{4}{15}$$

$$C = \frac{1}{5} \times \frac{1}{3} = \frac{3}{15}$$

8 : 4 : 3

114. (D) आयकर अधिनियम के अन्तर्गत कर निर्धारण हेतु सर्वप्रथम करदाता की निवासीय स्थिति

का निर्धारण किया जाता है। एक व्यक्ति करदाता जो किसी गत वर्ष में निवासी है, तो अगले गत वर्ष में वह निवासी असाधारण निवासी या अनिवासी की स्थिति में भी हो सकता है।

115. (C) चालू अनुपात $= \frac{\text{चालू सम्पत्तियाँ}}{\text{चालू दायित्व}}$

$$2:1 = \frac{\text{चालू सम्पत्तियाँ}}{60,000} = \frac{2}{1}$$

चालू सम्पत्तियाँ $= 60,000 \times 2 = 1,20,000$ ...(i)

त्वरित अनुपात

$$= \frac{\text{चालू सम्पत्तियाँ} - \text{स्टॉक}}{\text{चालू दायित्व}}$$

$$1.5 = \frac{1,20,000 - \text{स्टॉक}}{60,000}$$

$1.5 \times 60,000 = 90,000$

$= 1,20,000 - \text{स्टॉक}$

स्टॉक $= 1,20,000 - 90,000 = ₹\ 30,000$

116. (A) अंश अधिपत्र द्वारा अंश मात्र सुपुर्दगी द्वारा हस्तांतरणीय हो जाता है। यदि अंतर्नियम में विपरीत व्यवस्था नहीं है तो कोई भी अंशधारी अपना अंश प्रमाण-पत्र कम्पनी में जमा कर अंश-अधिपत्र प्राप्त कर सकता है।

117. (D) "ऋणपत्र" कम्पनी का यह बाहरी दायित्व है। कम्पनी ऋण पत्रों पर एक निश्चित दर से ब्याज ऋणपत्रधारकों को प्रदान करती है। कम्पनी या तो लाभ कमा रही या हानि पर हो, दोनों दशाओं में, ब्याज की राशि को देना पड़ता है।

118. (C) कोष = कार्यशील पूँजी

= चालू सम्पत्ति – चालू दायित्व

मशीनरी के नकद व्यय में कोषों का प्रवाह हुआ है।

119. (D) प्रति अंश जो कि ₹ 100 का है प्राप्ति राशि = ₹ 80

$$\text{लाभांश} = 80 \times \frac{25}{100} = ₹\ 20$$

प्रति अंश का बाजार मूल्य

$$= \frac{\text{लाभांश प्रति अंश}}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}} \times (\text{प्रति अंश प्राप्ति राशि})$$

$$= \frac{25}{10} \times 80 = ₹\ 200$$

120. (A) माना चालू देनदारियाँ ₹ y है

अतः चालू अनुपात $= 3y : y$

कार्यशील पूँजी $= 3y - y = 2y$

अतः $2y = 60,000y = 30,000$ या चालू दायित्व ₹ 30,000

121. (D) निधि प्रवाह = कार्यशील पूँजी

कार्यशील पूँजी = चालू सम्पत्तियाँ – चालू दायित्व

अतः निधि प्रवाह विवरण का मूल उद्देश्य कार्यशील पूँजी में वृद्धि अथवा कमी ज्ञात करना होता है।

122. (A) क्रय की राशि = विक्रय माल की लागत + अन्तिम रहतिया – प्रारम्भिक रहतिया

$= 80,000 + 8,000 - 10,000 = ₹78,000$

123. (C) कम्पनी अपने ऋणपत्रों को खुले बाजार से क्रय कर सकती है। इस क्रय का निम्न दो में से एक उद्देश्य हो सकता है–

⇒ क्रय करके ऋणपत्रों को निरस्त करना

⇒ क्रय करके ऋणपत्रों को निवेश के रूप में रखना।

124. (B) कीमत आय अनुपात

$$= \frac{\text{प्रति अंश बाजार मूल्य}}{\text{प्रति अंश आय}}$$

$$10 = \frac{\text{प्रति अंश बाजार मूल्य}}{15}$$

∴ प्रति अंश बाजार मूल्य = ₹ 150

125. (A) भूमि एक ऐसी स्थायी सम्पत्ति है, जिस पर ह्रास नहीं लगाया जाता है। चूँकि भूमि प्रकृति प्रदत्त सम्पत्ति है ओर इसमें मौलिक एवं अविनाशी शक्तियाँ पायी जाती हैं, इसलिए इस पर ह्रास नहीं लगाया जाता है।

❑❑

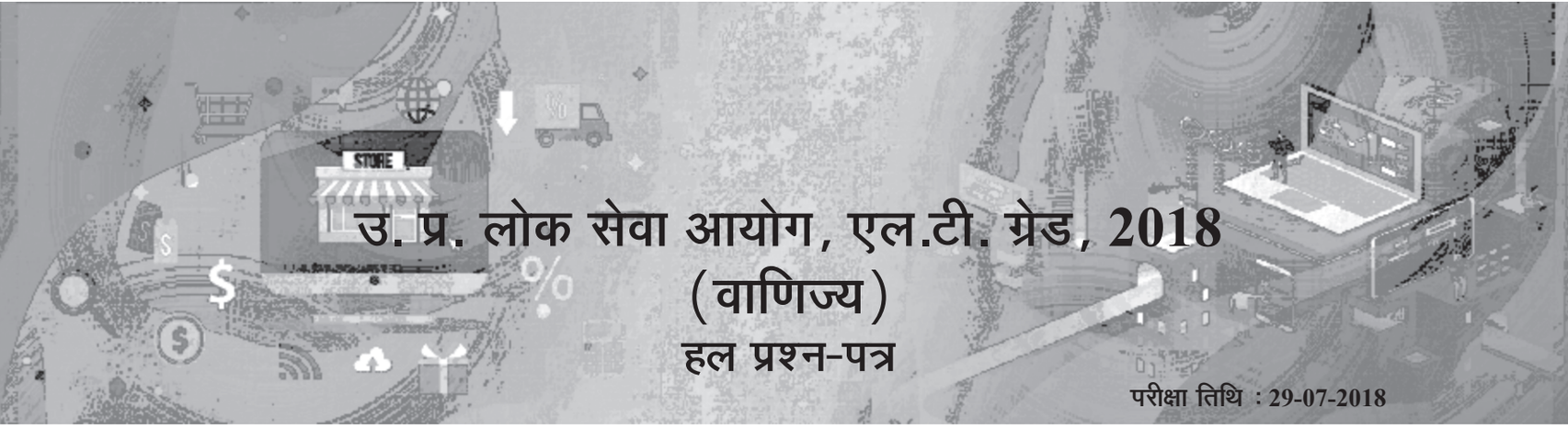

उ. प्र. लोक सेवा आयोग, एल.टी. ग्रेड, 2018
(वाणिज्य)
हल प्रश्न-पत्र

परीक्षा तिथि : 29-07-2018

1. गत्यारोध द्वारा साझेदार होता है–
(A) सीमित अधिकार वाला साझेदार
(B) नाममात्र का साझेदार
(C) निद्रालु साझेदार
(D) विशेष परिस्थितियों में साझेदार

1. (B) नाममात्र का भागीदार वह होता है जो मुनाफे में किसी पूँजी या हिस्सेदारी का योगदान नहीं करता है लेकिन साझेदारी फर्म को अपना नाम और क्रेडिट देता है।

2. एक साझेदारी फर्म अवैध होती है, जब–
(A) कोई एक साझेदार शत्रु देश का हो
(B) वह असीमित समय के लिए स्थापित हो
(C) उसमें सात साझेदार हों
(D) उसका निबन्धन साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत हो

2. (A) एक साझेदारी फर्म अवैध तब होती है जब कोई एक साझेदार शत्रु देश का हो या अपंजीकृत फर्म का कोई साझेदार तब साझेदारी फर्म को अवैध माना जाता है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा पार्षद सीमा नियम में शामिल नहीं किया जाता है?
(A) नाम वाक्य (B) क्षेत्राधिकार वाक्य
(C) उद्देश्य वाक्य (D) दायित्व वाक्य

3. (B) पार्षद सीमा नियम कम्पनी का संविधान होता है। जिसमें कम्पनी का नाम, कार्यालय, उद्देश्य, दायित्व और पूँजी आदि का विस्तृत वर्णन होता है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा लक्षण साझेदारी संगठन में विद्यमान नहीं है?
(A) अविच्छिन्न उत्तराधिकार
(B) असीमित दायित्व
(C) एक समझौता द्वारा सृजन
(D) ऐच्छिक पंजीकरण

4. (A) साझेदारी व्यावसायिक संगठन का एक या व्यक्तियों का पारस्परिक सम्बन्ध है, जिसमें लाभ कमाने के उद्देश्य से एक व्यावसायिक उद्यम का गठन किया जाता है।

5. 'प्रेरण' एक अन्तर्निहित तत्व है–
(A) स्टार्फिंग का (B) आयोजन का
(C) निर्देशन का (D) नियन्त्रण का

5. (C) प्रेरण एक आन्तरिक शक्ति है जो व्यक्ति को कार्य करने के लिये प्रेरित करती है या निर्देशन करती है जिससे उसको अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए क्रियाशील करती है।

6. प्रबलतम उधारी विपत्र है–
(A) पुष्टियुक्त
(B) अप्रतिसंहरणीय
(C) पुष्टियुक्त एवं अप्रतिसंहरणीय
(D) प्रतिसंहरणीय

6. (C) व्यापार में माल का क्रय एवं विक्रय नकद और उधार पर किया जाता है और प्रबलतम उधारी विपत्र पुष्टियुक्त एवं अप्रतिसंहरणीय है।

7. अधिकारों का भारार्पण संगठन का आकार बनाता है–
(A) छोटा संगठन (B) बड़ा संगठन
(C) बहुत बड़ा संगठन (D) अति लघु संगठन

7. (B) अधिकारों का भरार्पण संगठन का आकार बड़ा संगठन बनाता है।

8. एक कम्पनी समामेलित मानी जाती है, जब–
(A) रजिस्ट्रार के पास आवश्यक प्रलेख पहले ही जमा कर दिये जायें।
(B) रजिस्ट्रार से समामेलन-प्रमाणपत्र प्राप्त हो जाए।
(C) वह वास्तव में व्यवसाय आरम्भ कर दे।
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8. (B) एक कम्पनी समामेलित तब मानी जाती है, जब कम्पनी का रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रार से समामेलन प्रमाणपत्र प्राप्त हो जाये।

9. पर्यवेक्षण-विस्तार से आशय है–
(A) अधीनस्थों की संख्या
(B) पर्यवेक्षण की सीमा
(C) पर्यवेक्षक का गुण
(D) पर्यवेक्षण की प्रकृति

9. (A) पर्यवेक्षण विस्तार से आशय अधीनस्थों की संख्या से है। ये दो शब्दों पर्य (Super) वक्षण (Vision) से मिलकर बना है। जिसका अर्थ है देखने की उच्च शक्ति।

10. क्रियात्मक संगठन आधारित है–
(A) केवल विशिष्टीकरण पर
(B) केवल सामान्यीकरण पर
(C) विशिष्टीकरण एवं सामान्यीकरण दोनों पर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

10. (C) कार्यात्मक संगठन एक प्रकार की संगठनात्मक संरचना है जो कार्य या भूमिका के आधार पर विशेषज्ञता के सिद्धान्त का उपयोग करता है।

11. वैज्ञानिक प्रबन्ध का जनक है–
(A) पीटर ड्रकर (B) एफ.डब्ल्यू. टेलर
(C) विक्टर ब्रूम (D) हेनरी फेयॉल

11. (B) एफ.डब्ल्यू. टेलर को वैज्ञानिक प्रबन्धन का जनक माना जाता है। वे पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने 20वीं शताब्दी के आरम्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका में उद्योग के प्रबन्धन पर गम्भीर शोध प्रयास किये।

12. एकल स्वामित्व में, स्वामी का दायित्व होता है–
(A) कुछ नहीं
(B) असीमित
(C) उसके अंश तक सीमित
(D) उसकी गारण्टी तक सीमित

12. (B) एकल स्वामित्व में, स्वामी का दायित्व असीमित होता है क्योंकि एक ही व्यक्ति व्यवसाय का स्वामी होता है। इस प्रकार एकल स्वामित्व वह व्यापार संगठन है। जिसमें एक ही व्यक्ति स्वामी होता है।

13. एक संगठन-संरचना, जिसमें स्वामित्व व प्रबन्धन को अलग-अलग किया जाता है, कहलाता है–
(A) एकलस्वामित्व (B) साझेदारी
(C) कम्पनी (D) इनमें से कोई नहीं

13. (C) कम्पनी व्यक्ति/व्यक्तियों का एक ऐच्छिक संगठन है, तथा यह विधान द्वारा निर्मित की जाती है। इसका स्वयं का प्रबन्ध संचालक मण्डल, पूँजी व स्वयं की सार्वमुद्रा होती है। एक संगठन संरचना, जिसमें स्वामित्व प्रबन्धन को अलग-अलग किया जाता है कम्पनी कहलाता है।

14. सेवाओं के विपणन मिश्रण में कितने P सम्मिलित हैं?
(A) 4 (B) 6
(C) 8 (D) 10

14. (A) सेवा विपणन मिश्रण एक विपणन अवधारणा है, जो सभी विभिन्न पहलुओं में कारक है जो जनता की सेवा के लिए बाजार में आने की कोशिश करते हैं। इसमें चार P सम्मिलित हैं।

15. हेल्से प्रोमियम योजना आधारित है–
(A) समय योजना पर
(B) कार्य की मात्रा पर
(C) बचाये समय पर
(D) कार्य की गुणवत्ता पर

15. (A) होल्से प्रीमियम योजना की भाँति इस पद्धति में भी प्रत्येक कार्य को सम्पन्न करने का एक प्रमाप समय निश्चित कर दिया जाता है। मजदूरी समय के अनुसार भुगतान की जाती है।

16. किसी उपक्रम में संगठन की स्थापना करता है–
(A) उच्च प्रबन्ध (B) मध्यम प्रबन्ध
(C) निम्न प्रबन्ध (D) ये सभी

16. (A) किसी उपक्रम में संगठन की स्थापना उच्च प्रबन्ध करता है, किसी उपक्रम की स्थापना एक अच्छे प्रबन्ध के द्वारा दी जा सकती है और अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जाता है।

17. रेखा एवं कर्मचारी संगठन सबसे उपयुक्त है–
(A) छोटे उपक्रमों के लिए
(B) मध्यम श्रेणी के उपक्रमों के लिए
(C) बड़े आकार के उपक्रमों के लिए
(D) कुटीर उपक्रमों के लिए

17. (B) रेखा और कर्मचारी संगठन रेखा संगठन का एक संशोधन है जो रेखा संगठन की तुलना में अधिक जटिल है। यह मध्यम श्रेणी के उपक्रमों के लिये उपयुक्त होता है।

18. विपणन निम्नलिखित में से किसके अध्ययन में सम्बन्धित है?
(A) उपभोक्ता का क्रय सम्बन्धी व्यवहार
(B) विक्रय प्रबन्ध
(C) उपभोक्ता की सन्तुष्टि
(D) उपर्युक्त सभी

18. (D) विपणन उपभोक्ता का क्रय सम्बन्धी व्यवहार, विक्रय प्रबन्ध, और उपभोक्ता की सन्तुष्टि से सम्बन्धित होता है। इसमें नकद और उधार तरीके से क्रय-विक्रय किया जाता है।

19. जो संगठन अनुकूल बनने और परिवर्तन की क्षमता विकसित कर लेता है, उसे कहते हैं–
(A) वास्तविक संगठन
(B) शिक्षार्थी संगठन
(C) विकासशील संगठन
(D) परिवर्तनीय संगठन

19. (D) संगठन परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया गया है 'संगठन के एक या अधिक तत्वों में कोई परिवर्तन। यह किसी भी परिवर्तन को सन्दर्भित करता है जो कुल कार्य वातावरण में होता है।

20. विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) ने विधिवत कब कार्य प्रारम्भ किया?
(A) 01 जनवरी, 1991
(B) 01 जनवरी, 1995
(C) 01 जनवरी, 1999
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. (B) विश्व व्यापार संगठन अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जो विश्व व्यापार के लिये नियम बनाता है। इसकी स्थापना 1995 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनाये गये गैट (GATT) के स्थान पर लाने के लिये की गई थी।

21. एक आर्थिक वातावरणीय कारक है–
(A) ज्ञान प्रबन्ध पर दबाव
(B) राष्ट्रीय आय एवं इसका वितरण
(C) लाभदायकता एवं इसका वितरण
(D) श्रमिक वर्ग की रूपरेखा में परिवर्तनशीलता

21. (B) एक आर्थिक वातावरणीय कारक राष्ट्रीय आय और इसका वितरण है। यह कारक किसी व्यवसाय को प्रभावित कर सकते हैं अर्थात् यह कैसे संचालित होता है और यह कितना सफल हो सकता है।

22. कार्य आवश्यकता नियोजन का अनुक्रम है–
(A) कार्य सूचना, कार्य वर्णन, कार्य मूल्यांकन
(B) कार्य मूल्यांकन, कार्य सूचना, कार्य वर्णन
(C) कार्य वर्णन, कार्य मूल्यांकन, कार्य सूचना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. (A) कार्य आवश्यकता नियोजन का अनुक्रम कार्य सूचना, कार्य वर्णन और कार्य मूल्यांकन का है।

23. कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (68) के अनुसार, एक निजी कम्पनी की न्यूनतम प्रदत्त अंश पूँजी होगी–
(A) ₹2,00,000 (B) ₹5,00,000
(C) ₹10,00,000 (D) ₹1,00,000

23. (D) कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (68) के अनुसार, एक निजी कम्पनी की न्यूनतम प्रदत्त अंश पूँजी ₹1,00,000 होगी।

24. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
(a) नियोजन	1. प्रशिक्षण
(b) स्टाफिंग	2. पूर्वानुमान
(c) निर्देशन	3. मूल्यांकन
(d) नियन्त्रण	4. अभिप्रेरण

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	2	4	1	3

24. (A) नियोजन–पूर्वानुमान
स्टाफिंग–प्रशिक्षण
निर्देशन–अभिप्रेरणा
नियन्त्रण–मूल्यांकन

25. उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध (MBO) दृष्टिकोण के अन्तर्गत प्रत्येक उद्देश्य में आवश्यक तत्व नहीं है–
(A) लागत तत्व
(B) मानवीय सम्बन्ध तत्व
(C) समय तत्व
(D) मापनीय तत्व

25. (B) उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध (MBO) दृष्टिकोण के अन्तर्गत प्रत्येक उद्देश्य में आवश्यक तत्व लागत तत्व, समय तत्व, मापनीय तत्व है।

26. लोकतान्त्रिक संगठन का उच्चतम प्रारूप है–
(A) रेखीय संगठन (B) कार्यात्मक संगठन
(C) समिति संगठन (D) स्टाफ संगठन

26. (C) लोकतन्त्र एक प्रकार की शासन व्यवस्था है जिसमें सभी व्यक्तियों को समान अधिकार होता है। एक अच्छा लोकतन्त्र वह है, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक न्याय है साथ-साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। इसलिये लोकतान्त्रिक संगठन का उच्चतम प्रारूप सीमित संगठन है।

27. निम्नलिखित में से किस जोड़े का मिलान सही है?
(A) एफ.डब्ल्यू. टेलर-मानवीय सम्बन्ध दृष्टिकोण
(B) हेनरी फेयॉल-प्रबन्ध की सार्वभौमिकता
(C) एल्टन मेयो-मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण
(D) मेरी पार्कर फॉलेट-वैज्ञानिक प्रबन्ध

27. (C) एल्टन मेयो (26 दिसम्बर 1880-07 सितम्बर, 1949) एक ऑस्ट्रेलियाई मूल के मनोवैज्ञानिक, औद्योगिक शोधकर्ता और संगठनात्मक सिद्धान्तकार थे।

28. टौस्ले, क्लार्क एवं क्लार्क द्वारा वर्णित विपणन के कार्य हैं–
(A) 5 (B) 7
(C) 8 (D) 10

28. (B) टौस्ले, क्लार्क एवं क्लार्क द्वारा वर्णित विपणन कार्य सात हैं।

29. एकल स्वामित्व संगठन के दोषों में से एक है–
(A) असीमित दायित्व
(B) गोपनीयता
(C) प्रबन्ध की निम्न लागत
(D) उपर्युक्त सभी

29. (A) एकल स्वामित्व संगठन के दोषों में से एक असीमित दायित्व है, क्योंकि यह अकेला ही सभी कठिनाईयों का सामना करता है, और इसमें एक ही व्यक्ति स्वामी होता है।

30. अर्थशास्त्र की वह शाखा, जो जोर देती है कि, 'क्या होना चाहिए' कहलाती है–
(A) व्यष्टिभावी अर्थशास्त्र
(B) समष्टिभावी अर्थशास्त्र
(C) आदर्शात्मक अर्थशास्त्र
(D) सकारात्मक अर्थशास्त्र

30. (C) अर्थशास्त्र की वह शाखा, जो जोर देती है कि, क्या होना चाहिए आदर्शात्मक अर्थशास्त्र कहलाती है।

31. निम्नांकित तालिका से ज्ञात कीजिए कि फर्म किस नियम से कार्य कर रही है–

साधन की इकाइयाँ	कुल उत्पादन
1	10
2	25
3	50
4	85
5	135

(A) उत्पत्ति ह्रास नियम
(B) उत्पत्ति स्थिरता नियम
(C) उत्पत्ति वृद्धि नियम
(D) उपर्युक्त सभी

31. (C) उत्पत्ति ह्रास नियम केवल कृषि में ही लागू होता है, तालिका से स्पष्ट है कि जैसे-जैसे परिवर्तनशील साधन इकाइयाँ, स्थिर साधनों के साथ बढ़ती हैं, वैसे-वैसे कुल उत्पादन भी बढ़ता है।

32. यदि $Q_1 = 20000$, $Q_2 = 25000$, $P_1 = ₹10$, $P_2 = ₹8$ हो तो, माँग की कीमत लोच आनुपातिक रीति से कितनी होनी चाहिए?
(A) 1.25 (B) 1.50
(C) 1.20 (D) 1.00

32. (A) $e = \frac{Q_1 - Q_2}{Q_1 + Q_2} \cdot \frac{P_1 + P_2}{P_1 - P_2}$

$= \frac{20000 - 25000}{20000 + 25000} \cdot \frac{10 + 8}{10 - 8}$

$= \frac{5000}{45000} \cdot \frac{18}{2} = 1.25$

33. निम्नलिखित में से कौन-सी एक आर्थिक समस्या नहीं है?
(A) असीमित आवश्यकताएँ
(B) आवश्यकताओं का चुनाव
(C) सामाजिक अन्याय
(D) सीमित संसाधन

33. (C) सामाजिक अन्याय को आर्थिक समस्या नहीं कहा जा सकता है। जब किसी समाज के एक वर्ग के साथ अच्छा और उसी समाज के दूसरे वर्ग के साथ बुरा बर्ताव किया जाये तो उसे सामाजिक अन्याय कहते हैं।

34. उदारीकरण से आशय होता है–
(A) उद्योगों की संख्या घटाना
(B) प्रतियोगिता घटाना
(C) नियन्त्रण-तन्त्र मेंढील
(D) ब्याज दर का स्वतन्त्र निर्धारण

34. (C) उदारीकरण का अर्थ ऐसे नियन्त्रण में ढील देना या उन्हें हटा लेना है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले।

35. मूल्य तथा माँग की मात्रा में परिवर्तन के बीच विपरीत सम्बन्ध का कारण नहीं है–
(A) भावी प्रत्याशा
(B) आय प्रभाव
(C) प्रतिस्थापन प्रभाव
(D) सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम

35. (A) मूल्य तथा माँग की मात्रा में परिवर्तन के बीच विपरीत सम्बन्ध का कारण भावी प्रत्याशा नहीं है, इसका कारण आय प्रभाव, प्रतिस्थापन प्रभाव और सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम है।

36. दीर्घकालीन लागत वक्र को कहा जाता है–
(A) संचालन वक्र (B) स्थिर वक्र
(C) परिवर्तनीय वक्र (D) योजना वक्र

36. (A) संचालन वक्र को दीर्घकालीन वक्र कहा जाता है, एक संचालन विशेषता वक्र (OC-वक्र) स्वीकार्य की प्राथमिकता बनाम दोषपूर्ण वस्तुओं के प्रतिशत के बीच का एक आलेख है।

37. निम्नलिखित में से किसे गौसन का प्रथम नियम कहा जाता है–
(A) प्रतिस्थापन का नियम
(B) सम-सीमान्त उपयोगिता नियम
(C) सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

37. (D) गौसन का प्रथम नियम सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम है, और यह बताता है कि जैसे-जैसे हम किसी वस्तु की अधिक इकाइयों का उपयोग करते हैं वैसे-वैसे उत्तरोत्तर इकाइयों से प्राप्त सीमान्त उपयोगिता क्रमशः घटती जाती है।

38. एकाधिकार की दशा में कौन-सा समीकरण सही है?
(A) AR = MR (B) AR > MR
(C) AR < MR (D) AR = MR = 0

38. (B) एकाधिकार की दशा में AR > MR समीकरण सही है।

39. आराम की वस्तुओं की माँग होती है–
(A) अत्यधिक लोचदार
(B) लोचदार
(C) अलोचदार
(D) इनमें से कोई नहीं

39. (B) आराम की वस्तुओं की माँग लोचदार होती है, माँग एक भावपूर्ण इच्छा है, इसलिये यह लोचदार होती है।

40. जनसंख्या का माल्थस सिद्धान्त आधारित है–
(A) माँग के नियम पर, जैसा जनसंख्या पर लागू होता है।
(B) ह्रासमान प्रतिफल के नियम पर, जैसा कृषि पर लागू होता है।
(C) सीमान्त उपयोगिता के नियम पर, जैसा कृषि पर लागू होता है।
(D) सीमान्त प्रतिफल नियम पर, जैसा जनसंख्या पर लागू होता है।

40. (B) जनसंख्या का माल्थस सिद्धान्त ह्रासमान प्रतिफल के नियम पर, जैसा कृषि पर लागू होता है उसी पर आधारित है।

41. पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म का माँग वक्र–
(A) लम्बवत् होता है
(B) क्षैतिज होता है
(C) धनात्मक रूप से ढालू होता है।
(D) ऋणात्मक रूप से ढालू होता है।

41. (B) पूर्ण प्रतियोगिता वह बाजार है, जिसमें क्रेता व विक्रेता के बीच वस्तुओं का क्रय-विक्रय प्रतियोगिता के आधार पर होता है। यह क्षैतिज होता है।

42. अर्थशास्त्र में 'सामान्य से विशेष' के लिए तर्क देना कहा जाता है–
(A) निगमनात्मक पद्धति
(B) आगमनात्मक पद्धति
(C) प्रयोगात्मक पद्धति
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. (A) अर्थशास्त्र में 'समान्य से विशेष' के लिये तर्क देना निगमनात्मक पद्धति कही जाती है।

43. यदि किसी वस्तु की कीमत 20% कम होती है, और उस वस्तु की माँग में 40% वृद्धि होती है, तो माँग की लोच होगी–
(A) पूर्णतया लोचदार (B) पूर्णतया बेलोचदार
(C) इकाई लोचदार (D) अत्यधिक लोचदार

43. (D) यदि किसी वस्तु की कीमत 20% कम होती है, और उस वस्तु की माँग में 40% वृद्धि होती है, तो माँग की लोच अत्यधिक लोचदार होगी।

44. अर्थशास्त्र को असीमित साध्य सहित सामित साधना जिनके वैकल्पिक उपयोग होते हैं, को विज्ञान के रूप में परिभाषित किया है–
(A) ऐडम स्मिथ ने (B) अल्फ्रेड मार्शल ने
(C) ए.सी. पीगू ने (D) रॉबिन्स ने

44. (D) अर्थशास्त्र की असीमित साध्य सहित सामित साधना जिनके वैकल्पिक उपयोग होते हैं, रॉबिन्स को विज्ञान के रूप में पारिभाषित किया है।

45. पूर्ण प्रतिस्पर्धा के लिए अनिवार्य शर्तों में एक है–
(A) किसी भी समय समान उत्पाद के लिए मात्र एक मूल्य
(B) उत्पाद भिन्नता
(C) किसी भी समय समान उत्पाद के लिए विभिन्न मूल्य
(D) अनके विक्रेता एवं कुछ क्रेता

45. (A) पूर्ण प्रतिस्पर्धा के लिए किसी भी समय समान उत्पाद के लिए मात्र एक मूल्य यह अनिवार्य शर्तों में से एक है।

46. मूल्य स्तर में होने वाली नियमित गिरावट में सुधार किये स्थिति को दर्शाती है–
(A) मुद्रास्फीति (B) मुद्रा-संकुचन
(C) मुद्रा-संस्फीति (D) इनमें से कोई नहीं

46. (C) मुद्रा संस्फीति वह है जब मूल्य स्तर में होने वाली नियमित गिरावट में सुधार की स्थिति उत्पन्न हो।

47. मुद्रा-अपस्फीति की प्रक्रिया में मुद्रास्फीति की कर–
(A) घटती है (B) बढ़ती है
(C) स्थिर रहती है (D) इनमें से कोई नहीं

47. (A) मुद्रा-अपस्फीति वह है जब मूल्य स्तर में होने वाली नियमित गिरावट में कमी की स्थिति उत्पन्न हो और मूल्य की कीमत घटती रहती है।

48. ग्रेशम के नियम के अनुसार, निम्न में से कौन-सी 'सबसे बुरी मुद्रा' होगी?
(A) प्रतिनिधि पत्रमुद्रा
(B) परिवर्तनशील पत्रमुद्रा
(C) अपरिवर्तनशील पत्रमुद्रा
(D) प्रादिष्ट मुद्रा

48. (D) प्रदिष्ट मुद्रा भी पत्र-मुद्रा का ही एक रूप है। प्रादिष्ट मुद्रा प्रायः संकट कालीन स्थिति में निर्गमित की जाती है, इसलिये इसे कभी-कभी संकटकालीन मुद्रा भी कहा जाता है।

49. रिजर्व बैंक द्वारा बैंक दर में कमी करने से साख सृजन–
(A) में कमी होगी (B) स्थिर रहेगी
(C) में वृद्धि होगी (D) इनमें से कोई नहीं

49. (C) रिजर्व बैंक द्वारा बैंक दर में कमी करने से साख सृजन में वृद्धि होती है।

50. निम्न में से कौन-सा बैंक कृषि एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करता है?
(A) एक्जिम बैंक
(B) विनिमय बैंक
(C) एच.डी.एफ.सी. बैंक
(D) नाबार्ड

50. (D) नाबार्ड बैंक कृषि एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करता है, जिन परियोजनाओं ने ऋण लिया हो उस परियोजना की निगरानी और पर्यवेक्षण करना नाबार्ड के कार्य में शामिल है।

51. निम्न में से कौन-सा एक साख नियन्त्रण का उपाय नहीं है?
(A) बैंक दरनीति
(B) खुले बाजार की क्रियाएँ
(C) नकदकोष अनुपात
(D) साख जमा अनुपात

51. (D) राज्य के साख जमा अनुपात को लेकर रिजर्व बैंक से लेकर राज्य सरकार तक चिन्तित है, एक साख नियन्त्रण का उपाय साख जमा अनुपात नहीं है।

52. निम्नलिखित में से कौन-सा केन्द्रीय बैंक का कार्य नहीं है?
(A) नोट निर्गमन का एकाधिकार
(B) साख निर्माण
(C) विदेशी विनिमय कोषों का संरक्षण
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

52. (B) केन्द्रीय बैंक का कार्य साख निर्माण करना नहीं है, केन्द्रीय बैंक का प्रमुख कार्य साख नियन्त्रण है, व्यापारिक बैंक की साख निर्माण क्षमता को नियंत्रित करना आवश्यक होता है।

53. आई.एफ.एस.सी. में कितने अक्षर और अंक होते हैं?
(A) 7 (B) 10
(C) 13 (D) 11

53. (D) आइ.एफ.एस.सी. में 11 अक्षर होते हैं। इसमें अल्फाबेट और संख्या दोनों होते हैं। इसका इस्तेमाल NEFT, IMPS और RTGS के लिये होता है।

54. 'मुद्रा स्थगित भुगतान के लिए एक मानक है।' मुद्रा का यह कार्य निम्न श्रेणी में से किसमें आता है?
(A) प्राथमिक कार्य (B) माध्यमिक कार्य
(C) आकस्मिक कार्य (D) अन्य कार्य

54. (B) मुद्रा स्थगित भुगतान के लिये एक मानक है, मुद्रा का यह कार्य निम्न श्रेणी में से माध्यमिक कार्य में आता है।

55. ऑनलाइन बैंकिंग को निम्न में से किस रूप में नहीं जानते हैं?
(A) इन्टरनेट बैंकिंग (B) वर्चुअल बैंकिंग
(C) ई-बैंकिंग (D) औजार बैंकिंग

55. (D) ऑनलाइन बैंकिंग को हम इन्टरनेट बैंकिंग, वर्चुअल बैंकिंग और ई-बैंकिंग के नाम से जानते हैं, लेकिन औजार बैंकिंग को हम ऑनलाइन बैंकिंग के नाम से नहीं जानते हैं।

56. निम्नलिखित में से कौन-सी प्लास्टिक मुद्रा नहीं है?
(A) स्मार्ट कार्ड (B) चेक
(C) डेबिट कार्ड (D) क्रेडिट कार्ड

56. (B) चेक प्लास्टिक मुद्रा में नहीं होता है। चेक को कागजी मुद्रा के रूप में भी जाना जाता है।

57. मुद्रा, जो विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करती है कहलाती है–
(A) वस्तु मुद्रा (B) लेखांकन मुद्रा
(C) वास्तविक मुद्रा (D) इनमें से कोई नहीं

57. (B) मुद्रा जो विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करती है लेखाकंन मुद्रा कहलाती है।

58. माल के आयात के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-सा विदेशी विनिमय स्वीकृत करता है?
(A) विनिमय बैंक
(B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) भारत सरकार का विदेशी मामलों से सम्बधित मंत्रालय
(D) इनमें से कोई नहीं

58. (A) माल का आयात के सन्दर्भ में विनिमय बैंक को विदेशी-विनिमय स्वीकृत करता है।

59. जब मुद्रा की पूर्ति में कमी होती है, तब वस्तुओं की कीमतें–
(A) बढ़ती हैं (B) घटती हैं
(C) स्थिर रहती हैं (D) इनमें से कोई नहीं

59. (B) जब मुद्रा की पूर्ति में कमी होने लगती है, तो वस्तुओं की कीमतों में कमी आने लगती है जिससे वह घटती हैं।

60. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की नियमन संस्था है–
(A) नाबार्ड (B) केन्द्रीय सरकार
(C) राज्य सरकार (D) प्रवर्तक बैंक

60. (A) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की नियमन संस्था नाबार्ड है। नाबार्ड बैंक कृषि एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करता है।

61. यदि माध्यिका = 54 और माध्य = 60 हो, तो बहुलक होगा–
(A) 40 (B) 42
(C) 44 (D) इनमें से कोई नहीं

61. (B) Mode = 3 × Median – 2 × mean
$\Rightarrow 3 \times 54 - 2 \times 60$
$\Rightarrow 162 - 120 = 42$

62. माध्य विचलन, मानक विचलन का कौन-सा भाग होगा?
(A) $\frac{3}{4}$ (B) $\frac{4}{5}$
(C) $\frac{5}{4}$ (D) इनमें से कोई नहीं

62. (B) माध्य विचलन, मानक विचलन का $\frac{4}{5}$ भाग होगा।

63. किसी स्थान पर सोमवार से शनिवार तक की औसत वर्षा 6 सेमी थी, रविवार को अत्यधिक वर्षा के कारण पूरे सप्ताह का औसत बढ़कर 9 सेमी हो गया। रविवार की वर्षा होगी–
(A) 25.5 सेमी.
(B) 27 सेमी.
(C) 28.5 सेमी.
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

63. (B) किसी स्थान पर सोमवार से शनिवार तक की औसत वर्षा 6 सेमी. थी। रविवार को अत्यधिक वर्षा के कारण पूरे सप्ताह का औसत बढ़कर 9 सेमी. हो गया। रविवार की वर्षा 27 सेमी. होगी।

64. 100 छात्रों के प्राप्तांकों का औसत 40 निकाला गया परन्तु बाद में ज्ञात हुआ कि एक प्राप्तांक भूल से 53 स्थान पर 83 पढ़ लिया गया था। शुद्ध माध्य होगा–
(A) 39.7
(B) 39.8
(C) 39.9
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

64. (A) 39.7

65. 5 इकाइयों के उत्पादन पर एक फर्म की कुल औसत लागत ₹30 है तथा 6 इकाइयों के उत्पादन पर औसत लागत ₹32 है। छठी इकाई के उत्पादन की सीमान्त लागत होगी–
(A) ₹ 2 (B) ₹ 12
(C) ₹ 32 (D) ₹ 42

65. (C) 5 इकाइयों के उत्पादन पर कुल लागत
$= 5 \times 30$
$= 150$
6 इकाइयों के उत्पादन पर कुल लागत
$= 6 \times 32$
$= 192$
6वीं इकाई की सीमान्त लागत
= 6 इकाई की कुल लागत – 5 इकाई की कुल लागत
$= 192 - 150 = 42$

66. कौन-सा सम्बन्ध सही नहीं है?
(A) $Z = 3m - 2\bar{x}$
(B) $M = \frac{1}{3}(2\bar{x} - Z)$
(C) $\bar{x} = \frac{1}{2}(3m - Z)$
(D) $\bar{x} = \frac{1}{3}(2m - Z)$

66. (D) $\bar{x} = \frac{1}{3}(2m - Z)$ यह सम्बन्ध सही नहीं है।

67. मानक विचलन की गणना किस आधार पर की जा सकती है?
(A) माध्य
(B) माध्यिका
(C) बहुलक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

67. (D) मानक विचलन σ (सिग्मा), $(x - \mu)^2$ के औसत मान का वर्गमूल है। (एक विचारण) प्रायिकता वितरण का मानक विचलन, उसी प्रकार के वितरण वाले यादृच्छिक परिवर्तनीय के मानक विचलन के समान ही होता है।

68. चतुर्थक विचलन गुणांक की गणना निम्न में से किसके द्वारा की जाती है?
(A) $\frac{Q_3 - Q_1}{4}$ (B) $\frac{Q_3 + Q_1}{2}$
(C) $\frac{Q_3 + Q_1}{Q_3 - Q_1}$ (D) $\frac{Q_3 - Q_1}{Q_3 + Q_1}$

68. (D) चतुर्थक विचलन गुणांक की गणना $= \frac{Q_3 - Q_1}{Q_3 + Q_1}$ के द्वारा की जाती है।

69. निम्न में से कौन–सा सूचकांक ज्यामितिक माध्य पर आधारित है?
(A) लैस्पियरे का सूचकांक
(B) फिशर का सूचकांक
(C) पाशे का सूचकांक
(D) बाउले का सूचकांक

69. (B) फिशर के सूचकांक में परिवर्तनशील भारों का प्रयोग किया जाता है अर्थात् आधार वर्ष और चालू वर्ष में अलग–अलग भारों का प्रयोग किया जाता है तथा निर्देशांक की गणना करते समय गुणोत्तर माध्य या ज्यामितिक माध्य का प्रयोग किया जाता है।
सूत्र–
$$P_{01} = 100\sqrt{\frac{\Sigma p_1 q_0 \times \Sigma p_1 q_1}{\Sigma p_0 q_0 \times \Sigma p_0 q_1}}$$

70. अपकिरण का सापेक्ष माप निम्नलिखित में से क्या है?
(A) मानक विचलन
(B) विचरण
(C) विचरण का गुणांक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

70. (C) अपकिरण का सापेक्ष माप विचरण का गुणांक होता है। मानक विचलन तथा माध्य के भजनफल के प्रतिशत को विचरण गुणांक कहा जाता है।

71. सांख्यिकी अनुमानों और सम्भावनाओं का विज्ञान है। यह कथन देने वाले हैं–
(A) वेब्स्टर (B) बाउले
(C) बोडिंटन (D) सेलिगमैन

71. (D) सांख्यिकी अनुमानों और सम्भावनाओं का विज्ञान है, यह कथन सेलिगमैन के द्वारा कहा गया है।

72. यदि विचरण 625 है, तो मानक विचलन होगा–
(A) 25 (B) 15
(C) 30 (D) 20

72. (A) विचरण = 625
$\Rightarrow \sqrt{625} = 25$

73. एक दुकानदार जूतों का स्टॉक करना चाहता है, उसके लिए सबसे उपयुक्त माध्य होगा–
(A) अंकगणितीय माध्य
(B) माध्यिका
(C) बहुलक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

73. (C) एक दुकानदार जूतों का स्टॉक करना चाहता है, तो उसके लिये सबसे उपर्युक्त माध्य बहुलक होगा।

74. अगर माध्यिका 31 और गणितीय औसत 33 है तो बहुलक (mode) का मान होगा–
(A) 37 (B) 27
(C) 29 (D) 32

74. (B) माध्य = 3 × माध्यिका – 2 × बहुलक
$\Rightarrow 3 \times 31 - 2 \times 33$
$\Rightarrow 93 - 66 = 27$

75. निम्नलिखित में से कौन-सा गणितीय माध्य नहीं है?
(A) समान्तर माध्य (B) गुणोत्तर माध्य
(C) हरात्मक माध्य (D) बहुलक

75. (D) बहुलक को गणितीय माध्य नहीं कहा जाता है, बहुलक जिसकी सबसे अधिक आकृति हो, उसे ही बहुलक कहा जाता है।

76. निम्न समायोजनाओं से पूर्व शुद्ध लाभ ₹3,60,000 है–
अदत्त वेतन ₹20,000
पूर्वदत्त बीमा ₹26,000
उक्त समायोजनाओं के पश्चात् लाभ होगा–

(A) ₹3,66,000 (B) ₹3,80,000
(C) ₹3,46,000 (D) ₹3,86,000

76. (A) शुद्ध लाभ = 3,60,000
अदत्त वेतन = –20,000
3,40,000
पूर्वदत्त बीमा = + 26,000
₹3,66,000

77. विश्व के विभिन्न देशों से एक देश द्वारा, एक वर्ष के अन्तराल में विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के कुल लेनदेन के विवरण को कहते हैं–
(A) चालू खाता
(B) व्यापार संतुलन
(C) पूँजी खाता
(D) भुगतान संतुलन

77. (D) भुगतान संतुलन एक वर्ष में किसी एक देश के अन्तर्गत कितनी विदेशी मुद्रा का विभिन्न मद में आवागमन हुआ।
किसी देश का भुगतान संतुलन उनके निवासियों तथा शेष विश्व के निवासियों के बीच दी हुई अवधि में पूर्ण किये गये समस्त आर्थिक लेन–देन का एक व्यवस्थित विवरण या लेखा है।
- पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में वृद्धि।
- औद्योगीकरण एवं कृषि विकास में भारी मात्रा में मशीनों के आयात में वृद्धि।
- बढ़ती हुई जनसंख्या।
- सरकारी व्यय में लगातार वृद्धि।
- निर्यातों में आशा के अनुरूप वृद्धि का अभाव।
- सुरक्षा पर भारी धनराशि का व्यय।

78. औचित्य अंकेक्षण का तात्पर्य है–
(A) खातों के सत्यापन से
(B) एकल स्वामित्व वाली संस्थाओं के खातों की जाँच से
(C) व्ययों की आवश्यकता तथा औचित्य की जाँच से
(D) सरकारी कम्पनियों के अंकेक्षण से

78. (C) औचित्य अंकेक्षण व्ययों की आवश्यकता तथा औचित्य की जाँच करना है। अंकेक्षण से तात्पर्य किसी संस्था की लेखा पुस्तकों की विशिष्ट एवं आलोचनात्मक जाँच से है।

79. याचित पूँजी का वह भाग जिसे कम्पनी के समापन के समय याचित किया जा सकता है, कहलाता है–
(A) अधिकृत पूँजी (B) निर्गमित पूँजी
(C) प्रार्थित पूँजी (D) संचित पूँजी

79. (D) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 65 के तहत्–एक असीमित दायित्व वाली कम्पनी जिसके पास अंश पूँजी है सीमित दायित्व वाली कम्पनी में परिवर्तन के समय संचित पूँजी रख सकती है। इस दशा में कम्पनी एक प्रस्ताव द्वारा अपनी अंश पूँजी को बढ़ा सकती है और यह निश्चित करती है कि बढ़ी हुई पूँजी का कोई भाग या अयाचित अंश पूँजी का कोई भाग कम्पनी के समापन की दशा के अतिरिक्त अन्य किसी भी दशा में माँगा नहीं जाएगा। संचित पूँजी, समापन की दशा में केवल लेनदारों हेतु ही उपलब्ध रहती है।

80. क्रय वापसी का प्रमाणन किया जाना चाहिए–
(A) क्रेडिट नोट से
(B) क्रय नोट से
(C) माल आवक-बही से
(D) रोकड़-बही से

80. (D) जिस बही से खरीदे गये माल की वापसी का लेखा किया जाता है, उस बही को क्रय वापसी कहते हैं। क्रय वापसी का प्रमाणन रोकड़ बही से किया जाता है।

81. अंशों के हरण के सम्बन्ध में अंकेक्षण को देखना चाहिए–
(A) पार्षद सीमा नियम
(B) पार्षद अन्तर्नियम
(C) अध्यक्षीय भाषण
(D) लेखपालक के कर्त्तव्य

81. (D) अंशों के हरण के सम्बन्ध में अंकेक्षण को लेखपालक का कर्त्तव्य देखना चाहिए।

82. निम्नलिखित में से किसे अंकेक्षण की रीढ़ की कहा जाता है–
(A) नैत्यक जाँच को
(B) आन्तरिक रोकथाम को
(C) सत्यापन को
(D) प्रमाणन को

82. (A) नैत्यक जाँच को अंकेक्षण की रीढ़ कहा जाता है, अंकेक्षण के द्वारा सभी का अंकेक्षण करना और सभी प्रकार से करना ताकि उसकी जड़ तक जा सके और सभी बेकार परिस्थिति को सही किया जा सके।

83. आन्तरिक नियन्त्रण में शामिल होते हैं–
(A) वैधानिक अंकेक्षण, आन्तरिक अंकेक्षण तथा आन्तरिक जाँच
(B) केवल आन्तरिक जाँच तथा आन्तरिक अंकेक्षण
(C) आन्तरिक जाँच, आन्तरिक अंकेक्षण तथा सम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन
(D) आन्तरिक जाँच, आन्तरिक अंकेक्षण, वैधानिक अंकेक्षण तथा सम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन

83. (B) आन्तरिक नियन्त्रण में केवल आन्तरिक जाँच तथा आन्तरिक अंकेक्षण शामिल होता है, आन्तरिक नियंत्रण एक व्यापक शब्दावली है जो सामान्य तथा आन्तरिक नियंत्रण तथा आन्तरिक अंकेक्षण दोनों को शामिल करती है।

84. 'विनियोजकों की सुरक्षा' अंकेक्षण का कौन-सा उद्देश्य है?
(A) सामाजिक (B) आर्थिक
(C) प्राथमिक (D) सहायक

84. (C) विनियोजकों की सुरक्षा अंकेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य है, इसका उद्देश्य व्यापारिक लेखों की सत्यता की जाँच व यह मालूम करना है कि, लेखे विधानानुसार ही बनाये गये हैं, और वे व्यापार की सही व उचित स्थिति का प्रदर्शन करते हैं।

85. प्रमाणन के अन्तर्गत जाँच की जाती है–
(A) प्रारम्भिक लेखा पुस्तकों की
(B) अन्तिम लेखा पुस्तकों की
(C) आर्थिक चिट्ठा की
(D) उपर्युक्त सभी

85. (D) प्रमाणन के अन्तर्गत प्रारम्भिक लेखा पुस्तकों की अन्तिम लेखा पुस्तकों और आर्थिक चिट्ठा की जाँच की जाती है।

86. टाटा कम्पनी लि. के लिए अंकेक्षण है–
(A) आवश्यकता
(B) विलासिता
(C) प्रतिष्ठामूलक
(D) आवश्यकता एवं विलासिता दोनों

86. (A) टाटा कम्पनी लि. एक बहुत बड़ी कम्पनी है, इस कम्पनी के लिए अंकेक्षण की अति आवश्यकता है।

87. प्रमाणन में वेतन रजिस्टर का मिलान किया जाना चाहिए–
(A) भुगतान बही से
(B) रोकड़-बही से
(C) मजदूरी रजिस्टर से
(D) रोकड़ वाउचर से

87. (B) प्रमाणन में वेतन रजिस्टर का मिलान रोकड़ बही से किया जाना चाहिए, ताकि सही आर्थिक स्थिति का पता चल सके।

88. जब अंकेक्षण का कार्य नियमित अथवा अनियमित रूप से वर्ष भर चालू रहता है, तो इसे कहा जा सकता है–
(A) सतत् अंकेक्षण
(B) वैधानिक अंकेक्षण
(C) आन्तरिक अंकेक्षण
(D) अन्तरिम अंकेक्षण

88. (A) जब अंकेक्षण का कार्य नियमित अथवा अनियमित रूप से वर्ष भर चालू रहता है, तो इसे सतत् अंकेक्षण कहते हैं।

89. निम्नलिखित में चालू दायित्व है–
(A) अदत्त मजदूरी
(B) पूर्वाधिकारी अंश
(C) मशीन पर ह्रास का प्रावधान
(D) अंश लाभ

89. (A) वह धन जो एक व्यावसायिक उपक्रम को दूसरों को देना है, दायित्व कहा जाता है, जैसे–लेनदार, देयबिल एवं अधिविकर्ष इत्यादि। इस प्रकार दायित्व देयताएँ है। ये सभी राशियाँ हैं, जो लेनदारों को भविष्य में देय हैं।

90. आर्थिक पर्यावरण में सम्मिलित है–
(A) बचत (B) विनियोग
(C) मूल्य नीतियाँ (D) ये सभी

90. (D) आर्थिक पर्यावरण में सम्मिलित हैं, बचत विनियोग, मूल्य नीतियाँ, ब्याज की दर, आय, उत्पादकता आदि।

91. अदत्त याचनाएँ–
(A) माँगी गयी पूँजी में जोड़ी जाती हैं
(B) माँगी गयी पूँजी में से घटाई जाती हैं
(C) लाभ में से घटायी जाती हैं
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

91. (B) वह राशि जो अंशधारियों पर देय हो चुकी है, और कम्पनी ने उसे माँग लिया है किन्तु निर्धारित तिथि तक अंशधारियों ने उसका भुगतान नहीं किया है, अदत्त माँग या अवशिष्ट याचना कहते हैं।

92. A विभाग ने लागत +25% पर मालका अन्तरण B विभाग को किया। इसमें से ₹10,000 का स्टॉक B विभाग में बच जाता है, अतः स्टॉक संचय की राशि होगी–
(A) ₹2,500 (B) ₹2,000
(C) ₹3,000 (D) ₹3,500

92. (B) $x\left(x+\frac{x}{100}\right)=₹10000$

$$x^2=\frac{10000}{25}\times 100$$

$$x=\sqrt{4000}$$

$$x=₹2000$$

93. एक मशीन का किराया-क्रय मूल्य ₹30,000 है और रोकड़ मूल्य ₹24,000 है, भुगतान तीन समान किस्तों में होना है वित्तीय किस्त का ब्याज बताइए–
(A) ₹1,500 (B) ₹3,000
(C) ₹2,000 (D) ₹2,400

93. (B) एक मशीन का किराया क्रय मूल्य ₹30000 है और रोकड़ ₹24000 है। भुगतान तीन समान किस्तों में होना है तो वित्तीय किस्त का ब्याज ₹3000 होगा।

94. लघुकार्य खाता की बची हुई राशि दिखायी जाती है–
(A) आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(B) आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(C) लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में
(D) लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में

94. (A) लघुकार्य खाता की बची हुई राशि को आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।

95. साझेदारी में, अलिखित दायित्व को नये आर्थिक चिट्ठे में दिखाया जाता है–
(A) सम्पत्ति पक्ष में
(B) दायित्व पक्ष में
(C) दोनों पक्षों में
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

95. (D) साझेदारी में, अलिखित दायित्व को पुनर्मूल्यांकन खाते में दर्शाया जाता है। इस उद्देश्य के लिए निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाती हैं।

96. पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को वहन किया जायेगा–
(A) सभी साझेदारों द्वारा
(B) नये साझेदारों द्वारा
(C) पुराने साझेदारों द्वारा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

96. (C) लाभ होने पर पुराने साझेदार नये को नहीं देना चाहते हैं, तथा हानि होने पर नया साझेदार उसे वहन नहीं करना चाहता है। इसलिए पुनर्मूल्यांकन के लाभ/हानि को पुराने साझेदारों के द्वारा किया जाता है।

97. यदि अन्तिम रहतिया तलपट के अन्दर दिखाया गया हो तो उसे दिखाया जायेगा–
(A) व्यापार खाता में
(B) आर्थिक चिट्ठा में
(C) रोकड़ खाता में
(D) लाभ-हानि खाता में

97. (B) अन्तिम रहतिया तलपट के अन्दर दिखाया जाता है तो उसे हम आर्थिक चिट्ठे में दिखायेंगे।

98. आय मापी जाती है–
(A) द्विपक्ष अवधारणा के आधार पर
(B) एकरूपता अवधारणा के आधार पर
(C) अनुरूपता अवधारणा के आधार पर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

98. (D) किसी देश की राष्ट्रीय आय को तीन वैकल्पिक तरीकों से मापा जा सकता है– (i) उत्पाद विधि, (ii) आय विधि, (iii) व्यव विधि।

99. एक व्यापारी अपने लाभ का 20% भाग सामान्य संचय में अन्तरित करता है ऐसा वह किस अवधारणा के आधार पर करता है?
(A) रूढ़िवादिता की अवधारणा
(B) एकरूपता की अवधारणा
(C) वसूली की अवधारणा
(D) मुद्रा-मापन की अवधारणा

99. (A) रूढ़िवादिता पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण में विश्वास करता है। वे उन परिवर्तनों का विरोध करते हैं जो अब चीजों को बाधित कर सकते हैं। यह व्यवस्था के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती है।

100. द्विपक्षी अवधारणा पर आधारित व्यवहारों के लेखा करने की प्रणाली कहलाती है–
(A) इकहरा लेखा प्रणाली
(B) दोहरा लेखा प्रणाली
(C) दोहरा खाता प्रणाली
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

100. (B) द्विपक्षी अवधारणा के अनुसार व्यवसाय के प्रत्येक लेन-देन का प्रभाव दो स्थानों पर पड़ता है अर्थात् यह दो खातों के विपरीत पक्षों को प्रभावित करता है, इसलिये इसे दोहरा लेखा प्रणाली भी कहते हैं।

101. निम्नलिखित में से कौन-सा नाममात्र खाता है?
(A) ब्याज खाता
(B) उपार्जित ब्याज खाता
(C) अदत्त ब्याज खाता
(D) पूर्वदत्त ब्याज खाता

101. (A) एक बैंक खाता जो केवल साधारण ब्याज प्रदान करता है, उसके निर्बाध रूप से पैसे निकालना संभावित नहीं होता, क्योंकि उससे पैसे निकालना और फिर तुरन्त जमा करना लाभप्रद होता है। ब्याज खाता नाममात्र खाता होता है।

102. पुनःप्राप्ति योग्य लघु कार्य आर्थिक चिट्ठे में दिखाया जाता है–
(A) चालू सम्पत्ति की तरह
(B) स्थायी सम्पत्ति की तरह
(C) स्थायी दायित्व की तरह
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

102. (A) पुनः प्राप्ति योग्य लघु कार्य आर्थिक चिट्ठे में चालू सम्पत्ति की तरह दिखाया जाता है।

103. A लि. ने M के प्रति अंश ₹10 वाले पूर्ण दायित्व 500 अंश प्रथम माँग ₹2 एवं अन्तिम माँग ₹2 के

भुगतान न होने के कारण हरण कर लिये। इन अंशों में से 300 को प्रति अंश ₹9 पूर्णदत्त पर पुनः जारी किया गया था। पूँजी संचय खाते में कितनी राशि अन्तरित की जायेगी?

(A) ₹2,000 (B) ₹1,200
(C) ₹1,500 (D) ₹1,800

103. (C) पूँजी संचय खाते में $\frac{300\times500}{100}=₹1500$ राशि अन्तरित की जायेगी।

104. यदि स्थायी दीर्घकालिक दायित्व ₹5,00,000 है, स्थायी सम्पत्ति ₹12,00,000, पूँजी ₹8,50,000, चालू दायित्व ₹2,50,000, चालू सम्पत्ति ₹4,00,000 है तो शोधन क्षमता अनुपात है–

(A) 5 : 12 (B) 5 : 16
(C) 15 : 17 (D) 10 : 24

104. (C) शोधन क्षमता अनुपात

$$=\frac{\text{पूर्ण दायित्व}}{\text{शेयर पूँजी + लाभ}}$$

$$=\frac{5,00,000+2,50,000}{8,50,000}$$

$$=\frac{7,50,000}{8,50,000}$$

$$=\frac{75}{85}=\frac{15}{17}=15:17$$

105. मैनेजर को कमीशन, उसको कमीशन देने के पश्चात् के लाभों पर, 10% की दर से दिया जाता है। यदि कमीशन देने से पूर्व लाभ ₹1,54,000 हो, तो देय कमीशन होगा–

(A) ₹14,000
(B) ₹15,400
(C) ₹16,000
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

105. (A) ₹14,000

106.

प्रारम्भिक देनदार	1,000
विक्रय वापसी	7,000
अप्राप्त ऋण	3,000
देनदारों से प्राप्त रोकड़	40,000
अन्तिम रहतिया	13,000

उधार बिक्री की राशि ज्ञात कीजिए–

(A) ₹63,000
(B) ₹53,000
(C) ₹46,000
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

106. (B) 10000 + 40000 + 13000 = 63000
7000 + 3000 = 10000
(–) ₹53000

107. A तथा B, 5 : 3 के अनुपात में साझेदार हैं। C प्रवेश करता है और नया अनुपात 4 : 2 : 2 तय हो जाता है। A तथा B का त्याग किया गया अनुपात ज्ञात कीजिए–

(A) 1 : 2
(B) 1 : 3
(C) 1 : 1
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

107. (C) $\frac{5}{8}-\frac{4}{8}=\frac{1}{0}$

$\frac{3}{8}-\frac{2}{8}=\frac{1}{0}$

A तथा B का त्याग किया गया अनुपात 1 : 1 होगा।

108. गार्नर बनाम मरे के नियम अनुसार, किसी साझेदार के दिवालिया होने के कारण हुई हानि को अन्य साझेदारों में बाँटा जाना चाहिए उनके–

(A) लाभ-हानि बंटन, अनुपात में
(B) पूँजी अनुपात में
(C) दोनों अनुपातों के औसत में
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

108. (B) गार्नर बनाम मरे के नियम अनुसार, किसी साझेदार के दिवालिया होने के कारण हुई हानि को अन्य साझेदारों में बाँटा जाना चाहिए उनके पूँजी अनुपात में।

109. बन्धक पर ऋण दिखाया जाता है–

(A) आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(B) आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(C) लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में
(D) लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में

109. (A) बन्धक पर ऋण दिखाया जाता है आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में, बंधक ऋण या गिरवी कर्ज उस ऋण को कहते हैं जो (बंधक विलेय पर अपनी सहमति देता है। जैसे–घर, भूमि, सोने को बंधक रखकर प्राप्त किया जाता है।

110. रहतिया खाता है, एक–

(A) व्यक्तिगत खाता (B) नाममात्र खाता
(C) वास्तविक खाता (D) विवरण

110. (C) रहतिया खाता वास्तविक खाता है, यह खाता अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। इस खाते की मदद से व्यवसाय की आर्थिक स्थिति का पता लगाया जा सकता है, और व्यवसाय की आर्थिक स्थिति का पता लगाकर उस परिस्थिति को दूर किया जा सकता है।

111. ह्रास का कारण होता है–

(A) मूल्य उच्चावचन
(B) दुर्घटना
(C) सम्पत्ति का प्रयोग
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

111. (C) ह्रास का कारण होता है, सम्पत्ति का प्रयोग सम्पत्तियों के प्रयोग के कारण उनमें टूट-फूट होती है, घिसावट होती है और वे पुरानी व कमजोर हो जाती हैं। कुछ सम्पत्तियाँ ऐसी होती हैं जिनका काल निश्चित होता है।

112. ख्याति है, एक–

(A) चालू सम्पत्ति (B) तरल सम्पत्ति
(C) स्थायी सम्पत्ति (D) अमूर्त सम्पत्ति

112. (D) ख्याति एक अमूर्त सम्पत्ति है जिसको कोई देख नहीं सकता है, ख्याति एक वह आकर्षण शक्ति है जो कि ग्राहकों को लाती है।

113. एक कम्पनी के अन्तिम खातों में प्रारम्भिक व्ययों को दिखाया जाता है–

(A) आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(B) आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(C) व्यापारिक खाते के डेबिट पक्ष में
(D) लाभ-हानि खाते के क्रेडिट-पक्ष में

113. (A) एक कम्पनी के अन्तिम खातों में प्रारम्भिक व्ययों को आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।

114. निम्नलिखित में से कौन-सी चालू सम्पत्ति नहीं हैं–

(A) बैंक अधिविकर्ष (B) अन्तिम रहतिया
(C) देनदार (D) प्राप्य विपत्र

114. (A) अधिविकर्ष या ओवर ड्राफ्ट तब होता है जब बैंक खाते से उपलब्ध शेष राशि से अधिक निकासी हो जाती है, ऐसी स्थिति में उसे व्यक्ति को ओवर ड्रॉन कहा जाता है। यह चालू सम्पत्ति नहीं है।

115. अंशों के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम दिखाया जाता है–

(A) आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(B) आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(C) लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में
(D) लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में

115. (B) अंशों के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।

116. अपहृत अंशों पर पुनःनिर्गमन पर दी गयी छूट को डेबिट किया जाता है–

(A) अंश पूँजी खाता में
(B) लाभ-हानि खाता में
(C) अपहृत अंश खाता में
(D) अंश निर्गमन पर छूट खाता में

116. (A) अपहृत अंशों पुनः निर्गमन पर दी गयी छूट को डेबिट पक्ष के अंश पूँजी खाते में दिखाया जाता है।

117. स्वामी द्वारा अपने निजी प्रयोग हेतु ₹500 की सामग्री ली गई, जिसका बहियों में कोई लेखा नहीं किया गया। यह है, एक
(A) क्षतिपूर्ति त्रुटि
(B) सैद्धान्तिक त्रुटि
(C) करण-त्रुटि
(D) चूक-त्रुटि

117. (D) जब कोई व्यापार लेन-देन या तो पूरी तरह से या आंशिक रूप से अभाज्य प्रविष्टि की पुस्तकों में दर्ज होने के लिए छोड़ दिया जाता है, तो इसे चूक की त्रुटि कहा जाता है।

118. रोकड़-बही में प्रति प्रविष्टि की जाती है, जब
(A) लघु रोकड़-बही रखी जाती है
(B) सामान्य रोकड़-बही तैयार की जाती है
(C) तीन खानों वाली रोकड़-बही रखी जाती है
(D) उपर्युक्त सभी

118. (B) रोकड़ बही में प्रति प्रविष्टि की जाती है जब सामान्य रोकड़ बही तैयार की जाती है।

119. किराया-क्रय पद्धति के अन्तर्गत, लागत समतुल्य पर रहतिये के मूल्य की गणना हेतु सूत्र है—
(A) विक्रय मूल्य – परिवर्तनशील लागत
(B) अदत्त किस्त/विक्रय मूल्य × नकद मूल्य
(C) ब्याज की दर/100 + ब्याज की दर
(D) वास्तविक औसत लाभ-सामान्य लाभ

119. (B) किराया-क्रय पद्धति के अन्तर्गत, लागत समतुल्य पर रहतिये के मूल्य की गणना अदत्त किस्त विक्रय मूल्य × नकद मूल्य हेतु सूत्र है।

120. अंश अधिपत्र निर्गमित किया जा सकता है, जब अंश—
(A) पूर्ण प्रदत्त हो
(B) आंशिक प्रदत्त हो
(C) खो गया हो
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

120. (A) जब कोई व्यक्ति किसी कम्पनी के अंश (शेयर) खरीदता है। तो उसके प्रमाण स्वरूप एक सर्टिफिकेट (प्रमाण-पत्र) दिया जाता है। उसी को अंश अधिपत्र कहते हैं।

●●